

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार व प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

व. 17]

मई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 23 1994/ वैशाख 3, 1916

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 23, 1994/VAISAKHA 3, 1916

इस भाग में भिन्न वृक्ष संस्था दी जाती है जिससे कि वह असम सकलन के इन दो
रक्षा वा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—संख्या 3—उप-संख्या (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय के छोड़कर) और कोन्स्ट्रीय अधिकारियों (संघ राज्य
के विभिन्न विभागों के छोड़कर) द्वारा विविध के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण संविधान
विद्यम (विवरमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities
(other than the Administration of Union Territories)

विधि, न्याय तथा कानूनी कार्य मंत्रालय

(कानूनी कार्य विभाग)

मई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1994

सा.वा.नि. 189—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956
(1956 ला 1) की धारा 620क की उपलब्धा (1) और उच्चाया (2)
द्वारा प्रदल शब्दिनों का प्रयोग करते हुए, शुभम् देनिकिट फंड लिमिटेड
को, जो एक कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीड्रेट कार्यालय तमिलनाडु राज्य
में 111-की तालापारी न्यूट (गारी मजिन), पट्टू मोटोर्स-614601 में
है, नियंत्रित करता है और यह नियंत्रित है कि उक्त
नियंत्रित को, भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (कंपनी विधि
प्रशासन विभाग) वे अधिसूचना स. सा. का. नि. 978, तारीख 28 मई,
1963 से उपरांड अनुसूची 3 के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम के उपबंध व्याख्यान लागू नहीं होगी या उसके स्तम्भ (2) में की
तत्पानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अपवादी, उपातरणी और अनुकूलनों सहित
लागू होगे और उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, मद 142 और उससे संबंधित
प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी,
अर्थात्—

“143 मैगर्स शुभम् देनिकिट फंड लिमिटेड—तमिलनाडु”।

[फा.सं. 373/9/93-नी.एल-3]

धर्मगति, अवर सचिव

पाद टिप्पणी—मूल अधिसूचना सा.का.नि. सं. 978, तारीख 28 मई,
1963 द्वारा अधिसूचित की गई थी और वाद में निम्नलिखित
द्वारा उसमें संशोधन किए गए—

टिप्पणी मूल अधिसूचना सा.का.नि. संख्या 978, दिनांक 28 मई, 1963
को अधिसूचित की गई थी और तद्वारा यथासंबोधित की गई:

1 सा.का.नि. 1681 दिनांक 11-10-63

2 सा.का.नि. 853 दिनांक 4-6-64

3 सा.का.नि. 297 दिनांक 12-2-65

4. सा. का. नि. सं. 1372 दिनांक 30-8-65
5. सा. का. नि. सं. 111 विनांक 14-1-66
6. सा. का. नि. सं. 1543 दिनांक 1-10-66
7. सा. का. नि. सं. 607 दिनांक 29-4-67
8. सा. का. नि. सं. 608 विनांक 29-4-67
9. सा. का. नि. सं. 1461 विनांक 6-6-69
10. सा. का. नि. सं. 2707 दिनांक 18-11-69
11. सा. का. नि. सं. 1306 दिनांक 27-7-71
12. सा. का. नि. सं. 1 दिनांक 21-12-73
13. सा. का. नि. सं. 690 विनांक 22-6-74
14. सा. का. नि. सं. 275 दिनांक 1-4-75
15. सा. का. नि. सं. 409 दिनांक 29-3-75
16. सा. का. नि. सं. 1300 दिनांक 11-9-76
17. सा. का. नि. सं. 426 विनांक 8-3-78
18. सा. का. नि. सं. 728 दिनांक 28-4-78
19. सा. का. नि. सं. 1296 विनांक 4-10-79
20. सा. का. नि. सं. 1100 दिनांक 9-10-80
21. सा. का. नि. सं. 1099 दिनांक 9-10-80
22. सा. का. नि. सं. 164 दिनांक 10-2-83
23. सा. का. नि. सं. 843 विनांक 19-11-83
24. सा. का. नि. सं. 844 दिनांक 19-11-83
25. सा. का. नि. सं. 217 विनांक 25-2-84
26. सा. का. नि. सं. 231 दिनांक 20-2-85
27. सा. का. नि. सं. 21 विनांक 24-12-85
28. सा. का. नि. सं. 275 विनांक 3-3-86
29. सा. का. नि. सं. 306 विनांक 11-4-86
30. सा. का. नि. सं. 70 दिनांक 22-6-86
31. सा. का. नि. सं. 961 दिनांक 24-10-86
32. सा. का. नि. सं. 353 दिनांक 22-1-87
33. सा. का. नि. सं. 365 दिनांक 22-4-87
34. सा. का. नि. सं. 430 दिनांक 20-5-87
35. सा. का. नि. सं. 598 विनांक 31-7-87
36. सा. का. नि. सं. 597 विनांक 31-7-87
37. सा. का. नि. सं. 921 दिनांक 30-11-87
38. सा. का. नि. सं. 922 दिनांक 3-12-87
39. सा. का. नि. सं. 264 दिनांक 5-4-88
40. सा. का. नि. सं. 479 दिनांक 18-6-88
41. सा. का. नि. सं. 515 दिनांक 25-6-88
42. सा. का. नि. सं. 597 दिनांक 15-7-88
43. सा. का. नि. सं. 596 विनांक 15-7-88
44. सा. का. नि. सं. 598 दिनांक 15-7-88
45. सा. का. नि. सं. 800 दिनांक 22-9-88
46. सा. का. नि. सं. 961 विनांक 17-12-88
47. सा. का. नि. सं. 32 दिनांक 6-12-88
48. सा. का. नि. सं. 959 विनांक 17-12-88
49. सा. का. नि. सं. 960 विनांक 17-12-88
50. सा. का. नि. सं. 18 दिनांक 6-5-89
51. सा. का. नि. सं. 501 विनांक 22-7-89
52. सा. का. नि. सं. 502 विनांक 22-7-89
53. सा. का. नि. सं. 649 विनांक 22-8-89
54. सा. का. नि. सं. 650 विनांक 22-8-89
55. सा. का. नि. सं. 651 विनांक 22-8-89
56. सा. का. नि. सं. 844 विनांक 25-10-89
57. सा. का. नि. सं. 102 दिनांक 5-2-90
58. सा. का. नि. सं. 241 दिनांक 29-3-90
59. सा. का. नि. सं. 302 विनांक 16-4-90
60. सा. का. नि. सं. 303 विनांक 10-5-90

61. सा. का. नि. सं. 514 विनांक 30-7-90
62. सा. का. नि. सं. 515 दिनांक 7-8-90
63. सा. का. नि. सं. 3052 दिनांक 7-10-90
64. सा. का. नि. सं. 792 दिनांक 13-12-90
65. सा. का. नि. सं. 783 विनांक 13-12-90
66. सा. का. नि. सं. 784 विनांक 13-12-90
67. सा. का. नि. सं. 14 दिनांक 304-91
68. (122) सा. का. नि. सं. 2146 दिनांक 26-7-91
69. (123) सा. का. नि. सं. 123 दिनांक 30-10-90
70. (124 से 131) सा. का. नि. सं. 163 विनांक 19-3-90
71. (132 से 134) सा. का. नि. सं. 272 विनांक 22-5-90
72. (135 से 137) सा. का. नि. सं. 201 विनांक 27-3-90
73. (138 से 141) सा. का. नि. सं. विनांक
74. (142) सा. का. नि. सं. 292 दिनांक 27-5-93

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 4th April, 1994

G.S.R. 189.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares SUBAM BENEFIT FUND LIMITED, a Company having its registered office at III, B. Thalayari Street (Upstairs) Pattukkottai-614601 in the State of Tamil Nadu, to be a Nidhi and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administrations) No. G.S.R. 978 dated the 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry in column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely:—

In Schedule I to the said notification, after item 142 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely:—

“143—M/s. Sulam Benefit Fund Limited, Tamil Nadu.

[F. No. 37/9/93-CL.III]

DHARAM PAL, Under Secy.

Note:—The principal Notification was notified vide G.S.R. No 978 dated 28th May, 1963 and subsequently amended vide:—

1. GSR No. 1691 dated 11-10-63
2. GSR No. 853 dated 4-6-64
3. GSR No. 297 dated 12-8-65
4. GSR No. 1332 dated 30-8-65
5. GSR No. 111 dated 14-1-66
6. GSR No. 1543 dated 1-10-66
7. GSR No. 607 dated 29-4-67
8. GSR No. 608 dated 29-4-67
9. GSR No. 1466 dated 6-6-69
10. GSR No. 2707 dated 18-11-69
11. GSR No. 1306 dated 27-7-71
12. GSR No. 1 dated 21-12-73
13. GSR No. 690 dated 22-6-74
14. GSR No. 275 dated 14-2-75
15. GSR No. 409 dated 29-3-75
16. GSR No. 1300 dated 11-9-76
17. GSR No. 426 dated 8-3-78
18. GSR No. 728 dated 28-4-78
19. GSR No. 1296 dated 4-10-79

20. GSR No. 1100 dated 9-10-80	47. GSR No. 32 dated 6-12-88
21. GSR No. 1099 dated 9-10-80	48. GSR No. 959 dated 17-12-88
22. GSR No. 164 dated 10-2-83	49. GSR No. 960 dated 17-12-88
23. GSR No. 843 dated 19-11-83	50. GSR No. 318 dated 6-5-89
24. GSR No. 844 dated 19-11-83	51. GSR No. 501 dated 22-7-89
25. GSR No. 217 dated 25-2-84	52. GSR No. 502 dated 22-7-89
26. GSR No. 231 dated 20-2-85	53. GSR No. 649 dated 22-8-89
27. GSR No. 21 dated 24-2-85	54. GSR No. 650 dated 22-8-89
28. GSR No. 275 dated 03-3-86	55. GSR No. 651 dated 22-8-89
29. GSR No. 306 dated 11-4-86	56. GSR No. 844 dated 25-10-89
30. GSR No. 70 dated 22-6-86	57. GSR No. 102 dated 5-2-90
31. GSR No. 961 dated 24-10-86	58. GSR No. 241 dated 29-3-90
32. GSR No. 353 dated 22-4-87	59. GSR No. 302 dated 16-4-90
33. GSR No. 365 dated 22-4-87	60. GSR No. 303 dated 10-5-90
34. GSR No. 430 dated 20-5-85	61. GSR No. 514 dated 30-7-90
35. GSR No. 598 dated 31-7-87	62. GSR No. 515 dated 7-8-90
36. GSR No. 597 dated 31-7-87	63. GSR No. 3052 dated 7-10-70
37. GSR No. 921 dated 30-11-87	64. GSR No. 782 dated 13-12-90
38. GSR No. 922 dated 3-12-87	65. GSR No. 783 dated 13-12-90
39. GSR No. 264 dated 5-4-88	66. GSR No. 784 dated 13-12-90
40. GSR No. 479 dated 18-6-88	67. GSR No. 314 dated 30-4-91
41. GSR No. 515 dated 25-6-88	68. (122) GSR No. 2146 dated 26-7-71
42. GSR No. 597 dated 15-7-88	69. (123) GSR No. 123 dated 30-12-92
43. GSR No. 596 dated 15-7-88	70. (124 to 131) GSR No. 163 dated 18-3-93
44. GSR No. 598 dated 15-7-88	71. (132 to 134) GSR No. 272 dated 12-5-93
45. GSR No. 800 dated 22-9-88	72. (135 to 137) GSR No. 291 dated 27-5-93
46. GSR No. 961 dated 17-12-88	73. (138 to 141) GSR No. dated
	74. (142) GSR No. 292 dated 27-5-93

गृह मंत्रालय

(ग्रामभाषा विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1994

सा.का.नि. 190 :—राष्ट्रपति, मंत्रिमण्डप के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त घटितयों का प्रयोग करने हुए गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण मंत्रालय में भागी वे पद पर भर्ती वी पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्यात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान (भाषारी समूह “ग” पद) भर्ती नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संघरण, सर्वोक्तरण और बेतनमान : उक्त पद की मंधा, उसका वर्गीकरण और उसका बेतनमान वह होगा, जो इन नियमों से उपादान अनुसूची के स्तरम् 2 से स्तरम् 4 में विनियित हैं।

3. भर्ती वी पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं, शार्दूल : उक्त पद पर भर्ती वी पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उसमें संबंधित अन्य बासें वे होंगी, जो उक्त अनुसूची के स्तरम् 5 से स्तरम् 14 में विनियित हैं।

4. निरहंकार : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्त का पालन नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृति के अधीन अनुशोध है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिक्षित करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीकृत है, वहाँ वह उसके लिये जो कारण हैं जहाँ सेवायुक्त करके हन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के अवित्तयों की बाबत, आदेश द्वारा शिक्षित कर सकेगी।

6. व्यावृति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डाकेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व संतिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के अवित्तयों के लिये उपबंध करना प्रयोगित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्धकरण	वेतनमान	चयन पद अधिकार अवयव सेवा में जोड़े गये वर्षों पद	का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा, (वैक्षण) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुबंध है या नहीं
1	2	3	4	5	6
भांडारी	1* (1994) *कार्यभार के प्राधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	सामाजिक केन्द्रीय सेवा समूह "ग" भराजपत्रित, अनुमूलिकीय	850-20-1150- द.रो.-25-1500 रु.	लागू नहीं होता	महीने

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित शैक्षिक
और अन्य अद्वेष्ट

7

8

18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिये साधारण अध्ययितों की वशा में शिखित करने के 35 वर्ष और अनुमूलिक जाति और अनुमूलिक अनजातियों के अध्ययितों के लिये 40 वर्ष तक की या सकती है)।

टिप्पणि : (1) आयु-सीमा प्रवधारित करने के लिये नियन्त्रित तारीख भारत में अध्ययितों से आवेदन प्राप्त करने के लिये नियन्त्रित की गई अनितम तारीख होती है। (न कि वह अनितम तारीख वो असम, मेधालय, भराजपत्रित, प्रदेश, विजोरम, भणपुर, लागांवेड, धिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लघुवाल्कड़, द्विवारन प्रदेश के साहूल और स्त्रीत जिसे तथा चम्बा जिले के पांगी उपखंड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लकड़ीप के अध्ययितों के लिये विद्वित की गई है)।

टिप्पणि : (2) ऐसे पदों की वावत, जिन पर नियुक्ति, रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाती है आयु-सीमा प्रवधारित करने के लिये नियन्त्रित तारीख वह अनितम तारीख होती है जिस सक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिये कहा गया है।

आवश्यक :

किसी मान्यता प्राप्त वोई/विप्रियानप से भौतिक विवेका उत्तीर्ण या समतुल्य।

टिप्पणि : अनुभव सरकारी कर्मचारी चयन आधीन के विवेका-तुरार अनुभवित जातियों और अनुमूलिक जनजातियों के अध्ययितों की वशा में तब शिखित की जा सकती है (है) जब चयन के किसी प्रकार पर कर्मचारी चयन आधीन की यह राय है कि दारों लिये आवधि रिक्तियों को भरने के लिये अपेक्षित अनुभव रखने वाले रामुदेशों के अध्ययितों के परिवार संघर्ष में उपलब्ध होने की समावना नहीं है।

बालानीय :

केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभाग में या योक उपकरण या प्राप्तवेद कम्पनी में भड़ार संभालने और लेखा रखने में कम से कम दो वर्ष का अनुभव।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विवित आयु और शैक्षिक अद्वेष्ट प्रोत्संह व्यक्तियों की वशा में लागू होती है।

परिवोज्ञा की प्रवधि, यदि कोई हो

भर्ती की पद्धति : भर्ती सोन्द्रे होता है।
प्रोत्संह द्वारा या प्रतिनिवृत्ति/स्थानान्तरण
द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती
जाने वाली रिक्तियों की प्रतिष्ठाता

9

10

11

लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये
दो वर्ष

प्रतिनिवृत्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण
जिसके न हो सको पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रीमिय/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वजा में ये श्रेणियां जिनसे प्रोत्तिय/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा

यदि विभागीय प्रोलन्ति समिति है तो उसकी भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघर्षना से भार्ती किया जायेगा

12

13

14

केन्द्रीय सरकार के द्वारा अधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण :—

(क) जो नियुक्ति आधार पर सबूत पर धारण किये हुए हैं, और

(ख) जिनके पास स्तर 8 के अधीन सीधी भर्ती के लिये विहित अंतराल और अनुभव हैं।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके प्रारंभ केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से टीक पहले धारित किसी अन्य कार्ड/बाहु पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है, साप्रारणस्या 3 वर्ष से अधिक नहीं होती।

पुष्ट के संबंध में विचार करने के लिये विभागीय प्रोलन्ति समिति :—

- निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान-अध्यक्ष
- प्राधानिक अधिकारी केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान—सदस्य
- उपनियेषक, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान—सदस्य

लागू नहीं होता

[न. 14012/1/93 ओ.एस.टो.ग्राइ./1361]
एस.एस. मैहरा, उप-सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Official Language)

New Delhi, the 30th March, 1994

G.S.R. 190.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Store Keeper in the Ministry of Home Affairs, Department of Official Language, Central Hindi Training Institute, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Home Affairs, Department of Official Language, Central Hindi Training Institute (Store Keeper, Group 'C' Post) Recruitment Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Store Keeper	1* (1994)	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.	Not applicable
		* subject to variation dependent on workload.		

Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct appointment	Educational and other qualifications required for direct recruitment.
No	Between 18 to 25 years (relaxable for Government employees upto 35 years in case of general candidates and 40 years for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note. 1.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep) Note.2.—In respect of posts the appointments to which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall in each case, be the last date upto which the Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Matriculation Examination pass or equivalent from a recognised Board/University. Note:-The qualifications are relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Caste or Scheduled Tribe, if at any stage of selection the Staff Selection Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable At least two years experience in handling stores and keeping accounts in Centre/State Government Department or public undertaking or in a private company.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods
9	10	11
Not applicable	Two years for direct recruits	Transfer on deputation/transfer, failing which by direct recruitment
In case of recruitment by promotion/deputation/ transfer grades from which promotion/ deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitments rules.
12	13	14
Transfer on deputation/Transfer from Officers of Central Government:- (a) holding analogous posts on regular basis, and (b) possessing the qualification and experience prescribed for direct recruitment under Column 8 (The period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years).	Departmental Promotion Committee for considering confirmation 1. Director, Central Hindi Training Institute—Chairman 2. Administrative Officer, Central Hindi Training Institute—Member 3. Deputy Director, Central Hindi Training Institute—Member	Not applicable

विरा भैजालय

(प्राणिक कार्य शिखाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1994

साठ काठ निं १८१ :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद ३०७ के परस्तक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग में आर्थिक अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए गिनतिवित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ → (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, आर्थिक अधिकारी समूह “ए” पद भर्ती नियम

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीत्र को प्रयत्न होगे।

2 पद-मंत्रिया, वर्गीकरण और वेतनमानः— पद की सक्ष्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपायक ग्रन्तिकी के सम्बन्ध 2 से रुपाय 4 में विविदिष्ट है।

३ भर्ती की पढ़ति, आग मीमा, आहेंताणे, आदि— उक्त पद पर भर्ती की पढ़ति आग मीमा, आहेंताणे और उसमे संबंधित अर्थ लाने व होती जो उक्त अनुसन्धी के संभंग ५ से संभंग १४ में विस्तृत है।

१. निरांतराण् ।— यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(अ) जिनमें अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति में विवाह किया है, उक्त पद पर विवक्त का पात्र नहीं होता।"

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह गमाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अगुवाय है और ऐसा वरने के लिए अन्य आवश्यक है तो वह विस्तृत व्यक्ति को ऐसे विवाह के प्रवर्तन में लाते सकती है।

5 शिष्यन् करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह गति है कि ऐसा करना आवश्यक या सभीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उस्तु लेखशब्द करके तथा मध्य सोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रबंग के व्यक्तियों को बांधन, आदेश द्वारा शिष्यित कर देंगी।

6. ध्यावृष्टि — इन नियमों की कोई वान, गेमे आरक्षण, आयुर्जीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालती, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस मध्य में समय-समय पर निकाले गए आरेषों के भव्यासार ग्रन्त्युच्चित जानियो, अन्यूनित जनजातियों और अन्य विशेष प्रबंगों के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध करना अपेक्षित है।

અનાનદી

पद वा नाम	पर्यायी वर्षा	वर्गीकरण	वेतनमात्रा	प्रयत्न पद अधिकारी अन्यत वर्ष	मीडिय भर्ती हिए जाने वाले व्यक्तियों के लिए वर्षों का फायदा अनु- शासनीय	गोपा वा जोड़े गए
1	2	3	4	5	6	7
शास्त्रिक अधिकारी	12 *(1991)	ग्राधरण केंद्रीय सेवा,	2000-60-2300-	अन्यत वर्ष	शास्त्र नहीं होता	शास्त्र नहीं होता
*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।		ममूल "श", राजपत्रित, ३० रो-७५-३२००- अनुशासनीय	100-3500 रु			

सीधे भर्ता किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधिकृत वित्तीय सीधे भर्ता किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विविध परिवेशों की अवधि, यदि कोई हो और अन्य आहेता.

8 लागू नहीं होता 9 लागू नहीं होता 10 लागू नहीं होता

भर्ती की पढ़ति, भर्ती मीठे हांगी या प्रोक्षनि हांग या प्रतिनियुक्ति/रक्षानान्तरण हांग तथा विभिन्न पढ़तियों हांग भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिनियन्ता

प्रोप्रति/प्रनिनियुक्ति/स्थानातरण इतारा भर्ता की दशा में वे श्रेणिया जिनसे प्रोप्रति/प्रनिनियुक्ति/स्थानातरण किया जाता है।

भी प्रतिगामता

11

二四

ऐसा आर्थिक अध्येता, जिसने उस श्रेणी में तीन बर्ष नियमित सेवा की है।

1

12

यदि विभागीय प्रोफेशन समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती काले में किन परिस्थितियों में संघ सोक सेवा प्रायोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

प्रोफेशनलिस्ट के संघ में विभार करने के लिए समूह "ब" विभागीय प्रोफेशन समिति : संघ सोक सेवा आमों से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

1. उप सचिव, ईंकिंग प्रभाग—आधार
2. उप सचिव, आधिक कार्य विभाग—सदस्य
3. उप सचिव, आधिक कार्य विभाग—सदस्य

[सं. पा-12011/13/92-प्रशा. II]

संधीर कुमार थर्मा जबर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 31st March, 1994

G.S.R. 191.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Economic Officer in the Department of Economic Affairs in the Ministry of Finance, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs Economic Officer Group 'B' posts Recruitment Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scales of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) Who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rules.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post ¹	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Economic Officer	12* (1994)	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200- 100-3500
*Subject to variation dependent on workload.			

Whether selection or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible	Qualification and other qualification reqd. for direct recruits
5	6	7	8
Non-selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruitment will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer & percentage of the vacancy to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, Grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	Not applicable	By Promotion	Promotion : Economic Investigator with three years regular service in the grade	Group 'B' Departmental Promotion Committee for considering promotion/confirmation :	Consultation with Union Public Service Commission not necessary

[No A-12011/13/92-Adm II]
S K VERMA, Under Secy

नई विली, 31 मार्च, 1994

सा. का. नि 192—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त मन्त्रियों का प्रयोग करते हुए, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (आर्थिक अन्वेषक) भर्ती नियम, 1983 का और मण्डोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1 मक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आर्थिक अन्वेषक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2 उक्त नियमों में उपावल अनुसूची में—

(i) स्तर 2 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“13 (1994)

“कार्य-भार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।”

(ii) स्तर 4 में की प्रविष्टि ने स्थानपर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“1640-60-2600-द०रो०-75-2900 रु०”

(iii) स्तर 6 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पाच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)

टिप्पण—आर्थ-सीमा श्रवधारित करने के लिए निर्णयिक तारीख भारत में अध्ययितों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गयी अतिम तारीख होगी (न कि वह अनिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खड़, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिन्हे नथा चम्बा जिले के पासी उपखण्ड, अदमान और निकोबार द्वीप या लक्ष्मीप के अध्ययितों के लिए विहित की गयी है)।

(iv) स्तर 11 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“15 प्रतिशत प्रोश्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा,

60 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा,

25 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा”,

(v) स्तर 12 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

प्रोश्नति—ऐसे कनिष्ठ तकनीकी सहायक और कनिष्ठ अन्वेषक, जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणियों में पांच वर्ष नियमित गवा की है और विनके दाम किसी मान्यताप्राप्त विष्वविद्यालय से अर्थशास्त्र, वाणिज्य, गणित या मान्यवी में बोनस डिग्री या समनुल्य है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/स्थानांतरण
केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी:

(क) (i) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं; या

(ii) जिन्होने 1400-2300/2600 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास स्तंभ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन विभाग में हम नियक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काउर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण—स्थानांतरण द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(vi) स्तंभ 13 में, “समूह ‘ख’ विभागीय प्रोफेशन समिति” शब्दों और अक्षर के पश्चात, “(प्रोफेशन पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)” शब्द और कोष्ठक अंत स्थापित किए जाएंगे।

पाद-टिप्पण—मूल नियम, सा. का. नि. सं. 988 तारीख 24 दिसंबर, 1983 द्वारा अधिसूचित किए गए हैं।

[सं. ए.-12011/13/92-प्रश्ना. (ii)]

सुधीर कुमार वर्मा, अवार मन्त्रिव

New Delhi, the 31st March, 1994

G.S.R. 192.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Economic Investigator) Recruitment Rules, 1983, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Economic Investigator) Recruitment (Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the schedule annexed to the said rules—

(i) in column 2, for the entry, the following shall be substituted, namely :—

“13 (1994) subject to variation dependent on work-load.”;

(ii) in column 4, for the entry, the following shall be substituted, namely :—

“Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.”;

(iii) in column 6, for the entry, the following shall be substituted, namely :—

Note 1.—Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.

Note 2.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep.)

(iv) in column 11, for the entry, the following shall be substituted, namely :—

“15 per cent by promotion failing which by transfer on deputation ;

60 per cent by direct recruitment;

25 per cent by transfer on deputation/transfer failing which by direct recruitment”;

(v) in column 12, for the entry, the following shall be substituted, namely :—

Promotion—Junior Technical Assistant and Junior Investigator with five years regular service in the respective grades and possessing Bachelor's Degree in Economics, Commerce, Mathematics or Statistics from a recognised University or Equivalent.

Transfer on Deputation/Transfer—Officers of the Central Government :—

(a) (i) holding analogous posts on regular basis ;

OR

(ii) with five years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent ;

AND

(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.

Note—The Departmental Officers in the Feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not to exceed three years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation/transfer shall be not exceeding 56 years as on the closing date of receipt of applications.)

(vi) in column 13, after the words and letter 'Group 'B' Departmental Promotion Committee', the words and brackets "(For considering Promotion/Confirmation)" shall be inserted.

Footnote—The principal rules were notified vide No. GSR 988, dated the 24th December, 1983.

[No. A-12011/13/92-Admn. II]
S. K. VERMA, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

(स्वापक नियंत्रण ब्यूरो)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1994

सा. का. नि. 193.—प्राप्तिक प्रक्रिया मन्त्रिव 1973 की धारा 24 की उप धारा (2) और (8) स्था स्वापक औपय और मन्त्रभारी परामर्श अधिनियम, 1985 की धारा 36 गी में प्रश्न अधिकारी का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उत्तरांग 28 गी, 1992 में चार वर्षों की

प्रधानी के लिए थी मार्गी लाल बिरानीरि का विशेष नाम अभियोगक के रूप में जाथेरु में विशेष ग्रामालनोसिंहन ग्रामालनो में स्वापक ओषध पर्व मन प्रभावी पश्चर्य प्रांतिनियम, 1988 में उत्तम मामलों के प्रयोजनार्थ नियमक करता है।

निष्पंधन एव शर्तेः—

1. नियुक्त व्यक्ति का कार्ड मासिक पारिव्यापिक प्रतिवारण शुल्क नहीं दिया जाएगा।
2. नियुक्त व्यक्ति को शुल्क निम्न प्रकार से दिया जाएगा:—
 - (क) शुभिट्टिकम्पनी: 100/- रु. प्रति मासला
 - (ख) प्रमाणी सुनवाई के लिए: 200/- रु. प्रति मासला प्रतिविन शुल्क से अधिक मासला के लिए प्रतिदिन
 - (ग) प्रप्रभावी सुनवाई हेतु: मासले को अधिक से अधिक ऐसी तीव्र सुनवाई के लिए 100/- रु. प्रतिदिन

(घ) भिन्नित रायः 100/- रु प्रति मासला

(क) सम्भेलन शुल्क: 50/- रु. प्रति सम्भेलन व्यापारे
एक मासमें में प्रधिकतम तीन
सम्भेलन।

नियुक्त व्यक्ति अपनी अवधि के दौरान सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, स्वापक नियन्त्रण शूलों, भारत के स्वापक आयतन अपवायन कोई इसी प्रकार की आवश्यकतान एजेंसी के विरुद्ध हाजिर नहीं होगा।

नियुक्ति एक माह के नोटिस पर किंगो भी पहले ग्राह विविधत रूप में पर्याप्त कर जा गकी है।

[फा. सं. IV/11/93-स्वा. नि. अंगे (विधि)]

एम्. सी. मेहनाथ, उपविधि सनातकार

(Department of Revenue)

NARCOTICS CONTROL BUREAU

New Delhi, the 7th April, 1994

G.S.R. 193.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (8) of Section 74 of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Section 36C of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, the Central Government hereby appoint for a period of 4 years with effect from 28th May, 1992 Shri Mangi Lal Vishnoi, Special Public Prosecutor for the purpose of conducting cases arising out of Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 in the Special Courts/Session Courts at Jodhpur.

Terms and Conditions:—

1. No retainer/monthly remuneration will be paid to the appointee.
2. The appointee will be eligible for the fees as stated below :—

(a) Drafting Complaint	Rs. 100/- per case
(b) For effective hearing	Rs. 200/- per day per case Rs. 300/- per day for more than one case
(c) For non-effective hearing	Rs. 100/- per day for a maximum of three such hearing in a case.
(d) Written opinion	Rs. 100/- per case
(e) Conference Charges	Rs. 50/- per Conference subject to a maximum of 3 Conferences in a case

The appointee shall not appear against Customs, Central Excise, Narcotics Control Bureau, Narcotics Commission of India or any other similar drug law enforcement agencies during this tenure.

The appointment would be terminable on one month's notice in writing on either side.

[F.No. IV/11/93-NCB(LEGAL)]

उच्चोग मंत्रालय (ओशोगिक धिकाय विभाग) मई दिनांकी, 5 अप्रृत, 1994

मा.का.नि. 194.—केन्द्रीय बौद्धिक और्हा, भारतीय बौद्धिक विधि-नियम, 1923 (1923 का 5) की घारा 28 द्वारा प्रदत्त विविधतों का प्रयोग करने पूरा, धारा 31 की उत्तराय (1) की शोधात्मक भास्त्रीय बौद्धिक विनियम, 1950 में और मणिकर्णन करने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यविधियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके इनसे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इसके प्रधिमूक्ता और भाग के नज़रबद्ध में प्रभावण की तिथि और इसके भव्याधारण को उपलब्ध होने के 15 दिन की प्रदर्शित की मास्ति पर विचार किया जायेगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट व्यवधि का समाप्ति के पूर्व, उक्त प्राप्त के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या समाव भर के द्वाय बौय लर

बोर्ड द्वारा विचार किया जायेगा। उक्त आधारेष्ट परा सुनाव मन्त्रिव, केन्द्रीय बौद्धिलय बोर्ड, उत्तरोंग मन्त्रालय (ओडिशागिक विकास विभाग), उत्तरोंग भवन, नई दिल्ली-110011 के नाम भेजे।

मसीदा विनियम

1. (1) इन विनियमों को ईडियन बौद्धिक (छन्द संशाधन) रेग्लेशन, 1954 कहा जायेगा।
 (2) यह गणपत्र में प्रकाशन की तिथि में नाम होगी।
2. ईडियन बौद्धिक रेग्लेशन, 1950 (जिन्हे तात्प्रवात् उत्तर रेग्लेशन कहा जाएगा) में रेग्लेशन 2 में,—
 (क) कवाज (सी) के उपरांग, निम्नलिखित कवाज जोड़ी जायेगी
 प्रयोग:—
 (सी सी) गणना दवाव, बौद्धिक, के संबंध में, का अर्थ होगा कि किसी भाग के डिजाइन दवाव में व्यावाह गिरने के द्वितीय दवाव की

प्रधिकरण बंगला गांवों के अनुसार दबाव में गिराव का हिसाब में रखते हुए, समायोजन किया हुआ दबाव।

(ख) कलाज (जांची) के उपर्यूप, निम्नलिखित कलाज जांची जायेगी, अर्थात्—

“(जांची) डिजाइन दबाव का प्रयोग होगा,—

(अ) प्राकृतिक या सहायता, प्राप्त परिसचारण वाले अधिनर के सबधार में, बौयलर के भाव इम में प्रधिकरण स्वीकार्य प्रचालन दबाव,

(अ) बन्ध या बल्पूर्वक परिसचारण वाले बौयलर के सबधार में सुपरहीटर के अनिम भाव निकास पर प्रधिकरण स्वीकार्य प्रचालन दबाव,”

3 उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 4 में, उपर्युक्त जांची (सी) में, पैरा (6) में पैरा (ई) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“(ई) हर दर्जे के इस्पात का तोन भावमान पर, अर्थात् टी 22 दर्जे के इस्पात को 500° में, 550° में व 600° से पर तथा टी 12 दर्जे के इस्पात का 460° से, 500° से व 550° से और भावमान पर 1000, 3000 व 10000 घटे का विवार जीवन देने के लिये तन वाल स्तरा पर और उस कोड/स्टिना जिसके अनुसार इस्पात बनाया गया है का हर जांच स्थिति में दो नमूने लेते हुए जांची जायेगा।”

1 उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 4ए में उपर्युक्त जांची (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उत्तर रेग्लेशन जांची जायेगा, अर्थात्—

“(1) गृहमित्र इस्पात निर्माण, मुश्चिल्ड पार्टी/ट्रैक निर्माण, गृहमित्र फार्मिंग या फोर्म के रूप में मान्यता प्राप्त करने की इच्छुक विक्षेपी कपनियों के मामले में भरे हुये प्रश्नमाला फार्म के साथ 10,000 डॉलर (इस हजार अमरीकी डॉलर) मात्र की गुण्यक जमा करानी होगी। मूल्यांकन समिति शुरू प्राप्ति के 120 दिनों के अन्दर भूलाकान करेगी।”

5 उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 61 में, उपर्युक्त जांची (ए) में, अन में निम्नलिखित परन्तु जाइड दिया जायेगा, अर्थात्—

‘यदि दबाव की उपर्युक्त विधि जैसे अन्द्रासानिक या/और ऐडी कर्ट विधि में अविघवसात्मक जांच की गई हो तो इस्पातिक इंजिनियर अवार्डी हारा जांच जोड़ी जा सकती है।’

6 उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 113 में, उपर्युक्त जांची (बी) के पश्चात्, निम्नलिखित उपर्युक्त जांची जायेगी, अर्थात्—

“(बी बी) ज्वाला रहित बौयलरों के नियम में, जब कि तथारी नमूना छोर भावन सन्तर का भाग नहीं है, आई एन 2825 के अनुसार फोर्ट स्पन तथारी नमूना छोर प्रयोग में लाये जा सकते हैं।”

7 उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 268 के स्थान पर, निम्नलिखित रेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

“268 निर्माता द्वारा कारखाने में दबाव जांच—

(ए) बौयलर इम व दूसरे ब्रेलनाकार अवयव जिनका अन्तरिक ध्यास 600 मिनी टीटर से प्रधिक है, निर्माता के कारखाने में, निर्माण पूरा होन पर इन्सर्विटेंग अधार्टी की उपस्थिति में, प्रधिकरण स्वीकार्य दबाव के 1½ गुने दबाव पर, यिन किसी कमजोरी और लुटि दिवाये, उनकी दबाव जांच की जायेगी।

(बी) ऐस सभी अवयव जिन्हें बायनर में जोड़ने के बाद निरीक्षण के लिये यथार्थत पहुंचो नहीं जा सकता या बैलिंग से पहले उपर्युक्त जांच की गई हो उनकी अधिनर में जोड़े जाने से पहले प्रधिकरण स्वीकार्य प्रचालन दबाव के 1½ गुने पर दबाव जांच की जायेगी।

(सी) निकादार उत्पाद जिन्हें बैलिंग से पहले वायिन दबाव पर दबाव जांच गया हो या अन्द्रासानिक विधि से जांच गया हो उनकी अवयव के रूप में और जांच नहीं की जाएगी व्यतीर्ण कि उन्हें जोड़ के दोरान परिधिधार बट्टे जोड़ जिन्हें बैल दिया गया हो और प्रासंगिक उपबंध के अनुसार असिफमात्मक जांच गया हो।

(डी) निकादार उत्पादों से मिश्र दूसरे अवयवों की बौयलर में जोड़ने से पहले दबाव जांच नहीं की जायेगी यदि सपूर्ण बौयलर को प्रधिकरण स्वीकार्य प्रचालन दबाव के 1½ गुने दबाव पर उपयोग स्थान पर दबाव जांच जायेगी।

(ई) इसो के मामले में, ऐसे हैडर जिनमें दम्भ जोड़ी जायेगी, जांच रेप्युबो के लिये सुगम बनाने से पहले परन्तु नाजल और बैलिंग जोड़ने के बाद की जायेगी।

(एफ) जांच दबाव का हर समय सही नियन्त्रण में रखते हुये धीरे-धीरे बनावा जायेगा कि वह जांचित दबाव से 6 प्रतिशत से अधिक कमी न बढ़े और उस दबाव पर 30 मिनट के लिये रोका जायेगा जिसके उपरांत दबाव को प्रधिकरण स्वीकार्य प्रचालन दबाव तक अटाया जायेगा और दबाव युक्त अवयवों में रिसाव का सही प्रबलोकन निरीक्षण के लिये प्रयोग समय तक बनाये रखा जायेगा।

(जी) दबाव जांच के लिये माइक्रो के रूप में प्रयोग किये गये पानी का तापमान 20 डिसी से कम नहीं व 60 डिसी से अधिक नहीं होगा।

(एच) सर्विटिंग बनावट वाले इसो के रिविट किये हुये भासमों व छोर बैलिंग के लिये धीरे-धीरे भासों का बिना जोड़ के फोर्म किये हुए इस बैल जिसके लोर पूर्जन बैलिंग से जाए गये हो, इसके मामले में जांच दबाव उतना ही होगा जितना पूर्जन बैल इस के लिये है।

(झाई) यदि दबाव जांच बैलिंग किये हुये छोर म कुछ लुटि दबाव दर्शाये तो जब तक इन्सर्विटिंग अधार्टी अनुमति नहीं देते इसकी मरम्मत नहीं की जायेगी।

(जे) इस, जिसे पहले हीट-ट्रीटमेंट द्वारा स्ट्रेस रिलीव किया गया हो, में महमत सूख्यन पूरी करने के उत्तरान, यदि इन्सर्विटिंग अधार्टी द्वारा बांधित हो, और हीट-ट्रीटमेंट किया जायेगा और इस की बुआरा से दबाव जांच की जायेगी।

8 उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 310 म, उपर्युक्त जांची (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपर्युक्त निर्माण प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

‘(1) स्प्रिंग में स्थाई सरीड़न (जिस मुख्य ऊर्ध्वांश के स्प्रिंग को कमरे के तापमान पर प्रांसैट कर तीन अतिरिक्त बार पूरा बनाने के दूसरे मिनट तक वाली मापी गई ऊर्ध्वांश का अन्तर कहा जायेगा (मुक्त ऊर्ध्वांश के 0.5 प्रतिशत में अधिक नहीं होगा।)

9 उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 320 म,

(क) उपर्युक्त जांची (ए) के स्थान पर निम्नलिखित उपर्युक्त प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

‘(ए) प्रत्येक बौयलर में पानी वर्षाने के दो मासिन होगे जिनमें से एक परपरागत गेज भवास होगा।

बर्थने कि 3 फुट से कम व्यास वाले बॉयलर इम जिनमे दो जलमेज लगाना कठिन हो, के मामले मे दो जांच टोंटी और एक शीशे का जल मेज लगाया जायेगा।”

(बी) उप रेग्लेशन (बी) को हटा दिया जायेगा।
 (सी) उप रेग्लेशन (सी) व (डी) को क्रमशः उप रेग्लेशन (बी) व (सी) पुनर्आकित किया जायेगा।
 (डी) इस प्रकार पुनर्आकित उप रेग्लेशन (बी) मे,—
 (i) अक व शब्द “2 इंच” के स्थान पर, अक व शब्द “50 मिलीमीटर” प्रतिस्थापित किया जायेगा;
 (ii) अत मे निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—
 “जेज ग्लास के दिखाई देने वाले भाग की न्यूनतम लम्बाई 200 मिलीमीटर होगी। निर्माता राज्य के मुख्य निरीक्षक/निदेशक बॉयलर द्वारा बॉयलर की क्षमता को देखते हुए लंबाई बढ़ाई जा सकती है।”

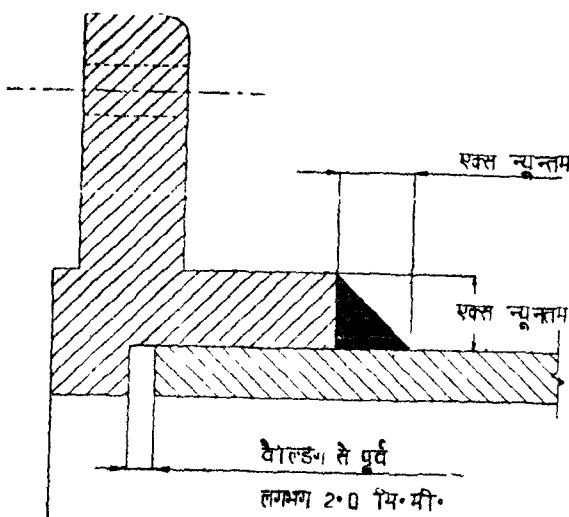
10. उक्त रेग्लेशन मे, रेग्लेशन 357 मे, उप रेग्लेशन (बी) मे,—

(ए) शब्दों व अंकों “प्राकृति संख्या 28 से 34” के स्थान पर, शब्द, अंक व अक्षर “प्राकृति संख्या 28 से 34” प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

(बी) किस्म 7 व इससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—
 “8, साकेट वैल्ड फ्लैज आकृति 34ए”

(सी) डिजाइन स्थितियों मे, अंत भें निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—
 “किस्म 8 सभी डिजाइन व तापमान स्थितियों के लिये फ्लैज़: यह किस्म केवल 51 मिलीमीटर तक के नामित बॉयलर वाले पाइपों के लिये प्रयोग किया जायेगा। जहां तीव्र क्षरण या संक्षारण की संभावना हो वहां फ्लैज़ प्रयोग नहीं किये जाएंगे।”

(डी) आकृति 34 के पश्चात्, निम्न आकृति निविष्ट की जायेगी, अर्थात्:—



11. उक्त रेग्लेशन मे, रेग्लेशन 376 मे, उप रेग्लेशन (ई) के स्थान पर निम्नलिखित, उप - रेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“(ई) मामान्यता सेकंटी बाल्ब चैस्ट और बॉयलर मे बॉच काई ब्लैक फ्लैज़/प्लग निविष्ट नहीं की जायेगी और जहा निरीक्षक द्वारा इसकी स्वीकृति दो गई हो, ब्लैक फ्लैज़/प्लग को उसको उपस्थिति मे हटा दिया जायेगा।”

12. उक्त रेग्लेशन मे, रेग्लेशन 379 मे, उप - रेग्लेशन (ए) के स्थान पर, निम्नलिखित उप - रेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“ए (i) रेग्लेशन 381 को उप - रेग्लेशन (ई) के उपबन्धों को देखते हुये, प्रत्येक बॉयलर को स्थल पर निर्मण के बाद निरीक्षक की उपस्थिति मे, फार्म II मे इन्सर्विटग अथारिटी द्वारा प्रमाणित अधिकतम प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{4}$ गुना दबाव पर जांचा जायेगा। व किसी दुर्बलता या त्रुटि से मुक्त पाये जाने पर, बॉयलर पर अकिन कर दिया जायेगा।

(ii) यदि रेग्लेशन 268 के अनुसार बॉयलर के सभी अवयवों की निर्माता के कारबानों मे द्विव्य जांच नहीं की गई हो, तो पूर्ण होने पर, बॉयलर को अधिकतम प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना दबाव पर जांचा जाएगा।

(iii) जांच माध्यम के रूप मे प्रयोग किये जाने वाले जल का तापमान 20 डि. सैटेप्रेड से कम नहीं व 50 डि. सैटेप्रेड से अधिक नहीं होगा।

(iv) परीक्षण दबाव को हर समय नियंत्रण मे रखते हुये धीरे-धीरे बढ़ाया जायेगा कि यह बांधित दबाव के 6 प्रतिशत ज्यादा से अधिक न बढ़े और उसे 30 मिनट तक उसी दबाव पर रखा जायेगा जिसके पश्चात् दबाव को अधिकतम प्रचालन दबाव तक घटाया जायेगा और उसे दबाव अवयवों की सूक्ष्म दृष्टिमान निरीक्षण के लिये पर्याप्त समय तक बनाये रखा जायेगा।

13. उक्त रेग्लेशन मे, रेग्लेशन 382 मे, उप - रेग्लेशन (ए) मे, अपने विशिष्ट अक्षरों के साथ राज्य/संघ क्षेत्रों की सूची मे,

“मसौपुर एम ए” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि निविष्ट की जायेगी, अर्थात्:—

“मध्यालय एम एल”

14. उक्त रेग्लेशन मे, रेग्लेशन 388 के स्थान पर, निम्नलिखित रेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“388 निरोक्षण पत्रक पुस्तिका व पंजीकरण पुस्तिका का हस्तांतरण: किसी बॉयलर के एक राज्य से दूसरे राज्य मे ले जाये जाने की दशा मे, निरोक्षण पत्रक पुस्तिका व पंजीकरण पुस्तिका के हस्तांतरण के लिये निम्नलिखित कार्यविधि अन्वादी जायेगी।”

(ए) मांग करने पर, ग्राहक को हस्तांतरक राज्य द्वारा रिकार्ड की उपलब्धता के विषय मे वंद्रह दिन के अन्दर सूचना दी जायेगी।

(बी) हस्तांतरी राज्य द्वारा की गई मांग को प्राप्ति के 60 दिन के अन्दर हस्तांतरक राज्य द्वारा रिकार्ड हस्तांतरी राज्य को भेज दिये जाएंगे।

(सी) जैमा कि ऊपर निर्दिष्ट किया गया है यदि रिकार्ड प्राप्त नहीं किये जाते, मामला तकनीकी सलाहकार (बॉयलर) की जानकारी मे लाया जायेगा जो कि मामले को संबद्ध प्राविकारी से साथ उठायेगा।

(इ) यदि रिपोर्ट बिल्कुल ना प्राप्त नहीं होते, केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड से निकालन के पश्चात् सुस्तानिरोग राज्य द्वारा नदा पंजकरण प्रक्रिया दें दिया जायेगा।

15. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 391^ए के स्थान पर, निम्नलिखित रेप्रॉब्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

“391ए बौद्धिक बोर्ड का काल प्रभावन—

(अ) शैल टाइप बौद्धिक बोर्ड :

(i) बौद्धिक बोर्ड पर आयु के प्रभाव को देखते हुए, उत्तर रेग्लेशन में दिये गये सूक्ष्मों से निकाले गये अवधिकों के प्रचालन दबाव को नीचे दो गई नालिका के आधार पर कम कर दिया जाएगा—

तालिका

बौद्धिक बोर्ड की आयु (वर्षों से अधिक)	25	35	45	50	60	70	80	90	100
आधिकतम स्वीकृत दबाव (प्रतिशत)	95	90	85	80	70	60	50	40	30

(ii) उन बौद्धिक बोर्डों को जिनको लेकर हन रेग्लेशन का रेग्लेशन 7 के अंतर्गत काटा था जोकी जा सकी है बौद्धिक बोर्ड की जोकी की तिथि में 50 साल की और अधिक प्रदान की जायेगी। प्रचालन दबाव जो जांच के पश्चात् स्वीकार किया जायेगा, निम्नलिखित नालिका के अनुसार घटा दिया जायेगा।

तालिका

जांच के बाद की अवधि (वर्षों में)	10	20	30	40	50
आधिकतम स्वीकृत दबाव (प्रतिशत)	90	80	70	50	30

(अ) बाटर ट्रैक बौद्धिक बोर्ड

(i) बौद्धिक बोर्ड, मैट्रिक्स और इसमें अधिक पर काम करते हैं, सेवन गूट लिटी श्रीयोगिक बौद्धिक बोर्ड के, और क्रीय श्रेणी में काम करने वाले सभी बौद्धिक बोर्डों को 100,000 घटों तक काम करने के पश्चात्, अवधिकों की ओपरेशन आयु जानने के लिये ग्रेडिंगसक जाव की जायेगी।

(ii) 25 वर्ष की आयु होने पर, बौद्धिक बोर्ड के अवधिकों को उनको ओपरेशन आयु जानने के लिए जाचा जायेगा। यदि केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड इसका ग्राहण निर्धारित मानकों के अनुसार परिणाम स्वीकार्य होता है तो बौद्धिक बोर्ड की आयु और 10 वर्ष या ओपरेशन जीवन मूल्यांकन समग्र द्वारा ग्राहण की गई उमेर कम अवधि के लिये मुद्रित निरीक्षण बौद्धिक बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। सत्प्रचालन यह मूल्यांकन बौद्धिक बोर्ड पर योग्य जीवन व इसमें बढ़ोत्तरी के लिए भौतिक रूप से समग्र द्वारा हार्दिक वर्ष बोर्ड ग्राहण की जायेगा जबकि ऐसे समग्र द्वारा को केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड से मान्यता प्राप्त होती है। ऐसा समग्र द्वारा केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड के कार्यालय के साथ योग्य जीवन मूल्यांकन व बढ़ोत्तरी के लिए भौतिक रूप से समग्र द्वारा हार्दिक वर्ष बोर्ड को प्रत्योक्ता का प्राप्त होती है। ऐसे बौद्धिक बोर्डों का प्रचालन दबाव ऐसी मान्यताप्राप्त रास्था की निकारण पर घटाया जा सकता है।

16. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 393 में—

(i) उत्तर रेग्लेशन (इ) में शब्द व संबंध “रेग्लेशन 385” के पश्चात् शब्द व संबंध “अधिकतम 20000 रु.” जोड़े जायेंगे।

(ii) उत्तर रेग्लेशन (इ) के पश्चात्, निम्नलिखित उत्तर रेग्लेशन जोड़े जायेंगे, अर्थात्—

(इ) एक दिव्यमान बौद्धिक बोर्ड में मशीधन के मांटे विवरण या परिवर्तन विद्युत वालों व्यवस्था द्वारा द्वारा उस राज्य में, जहां बौद्धिक बोर्ड में मशीधन या परिवर्तन का द्वारा हार्दिक वर्ष निरीक्षक बौद्धिक बोर्ड की स्थोक्षित पर निम्न होगी।

(एक) यदि विस्तृत निर्माण द्वारा उस राज्य का इन्सर्विटेट अध्यारेटों द्वारा जहां कि अवयव बनाये जायेंगे व निरीक्षित किये जायेंगे, स्कैड्रन को गई हो तो उत्तर-रेग्लेशन (इ) के अन्तर्गत अनुबालन की अविश्यकता नहीं है।

17. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 395-ए में, उत्तर-रेग्लेशन (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उत्तर-रेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

“(3) दूष्प्रभाव और पाइप के निरीक्षण के लिये, शुल्क 100 रु. प्रति मीट्रिक टन या उसके बिल्कुल के आधार पर लगाई जायेगी।”

18. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 395-सी में, उत्तर-रेग्लेशन (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उत्तर-रेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

“(1) वाल्वों के लिए, व्यूनेटम निरीक्षण शुल्क 300 रुपए प्रति निरीक्षण होते हुए, निरीक्षण शुल्क निम्न आधार पर लगाई जायेगी—

(ए) 25 मिलीमीटर तक 5 रु. प्रति बाल्व

(बी) 25 मिलीमीटर से अधिक व 50 मिलीमीटर तक— 10 रु. प्रति बाल्व

(सी) 50 मिलीमीटर से अधिक व 100 मिलीमीटर तक— 20 रु. प्रति बाल्व

(दे) 100 मिलीमीटर से अधिक व 250 मिलीमीटर तक— 100 रु. प्रति बाल्व

(ई) 250 मिलीमीटर से अधिक— 200 रु. प्रति बाल्व

19. उक्त रेग्लेशन में रेग्लेशन एफ के पश्चात्, निम्नलिखित रेग्लेशन निरिक्षण की जायेगी, अर्थात्—

“395-जी. अनिक्षित पुर्जों व छोटे आगों की निरीक्षण शुल्क— अनिक्षित पुर्जों व छोटे आगों के निरीक्षण के लिये शुल्क निम्न आधार पर लगाई जायेगी—

(ए) आधा मत्तह का अंतर्काल 10 वर्ग फूट (0.93 वर्ग मीटर) से अधिक न होने पर— 300 रुपए 30

(बी) आधा मत्तह का अंतर्काल 10 वर्ग फूट (0.93 वर्ग मीटर) से अधिक न होने— 30 वर्ग फूट (0.79 वर्ग मीटर) से अधिक न होने— 400 रु.

(सी) आधा मत्तह का अंतर्काल 30 वर्ग फूट (2.79 वर्ग मीटर) से अधिक परन्तु 50 वर्ग फूट (4.50 वर्ग मीटर) से अधिक न होने— 450 रु.

(डी) आधा मत्तह का अंतर्काल 50 वर्गफूट (4.65 वर्ग मीटर) से अधिक परन्तु 70 वर्ग फूट (6.50 वर्ग मीटर) से अधिक न होने— 550 रु.

(ई) बाह्य सतह क्षेत्रफल 70 वर्गफुट (6.50 वर्ग मीटर) से अधिक परन्तु 90 वर्गफुट (8.36 वर्गमीटर) से अधिक नहीं
----- 650 रु

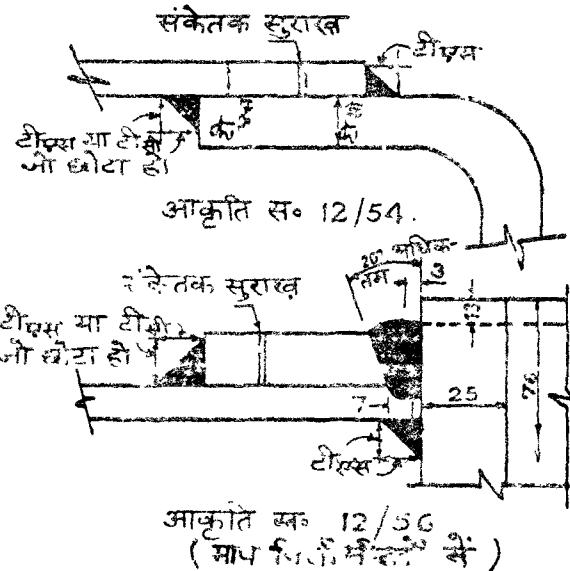
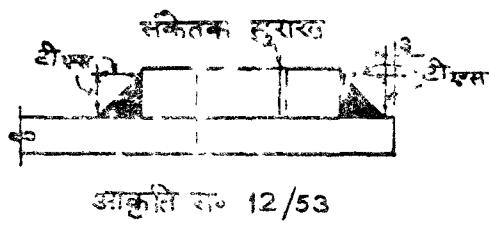
(एफ) बाह्य सतह क्षेत्रफल 90 वर्गफुट (8.36 वर्ग मीटर) से अधिक परन्तु 110 वर्गफुट (10.22 वर्ग मीटर) से अधिक नहीं----- 750 रु.

20 उक्त रेग्लेशन में रेग्लेशन 545 में उप रेग्लेशन (सी) के पश्चात, निम्नलिखित उप रेग्लेशन निविष्ट की जायेगी अर्थात् :-

(सीसी) ज्वाला रहित बॉयलर के निर्णय में जब कि तश्तरीनुमा किनारे गरम करने वाली सतह का भाग नहीं हो आई.एम. 2825 के अनुरूप कोल्ड स्पन तश्तरी नुमा किनारे प्रयोग किये जा सकते हैं।

21 उक्त रेग्लेशन में रेग्लेशन 554 में आकृति संख्या 12/53 12/54 व 12/56 के स्थान पर निम्नलिखित आकृतियां प्रतिस्थापित की जायेगी अर्थात् :-

आकृति संख्या 12/53, 12/54 व 12/56 यां छापी जाएगी



आकृति संख्या 12/56
(माप फिल्टर होटों से)

22. उक्त रेग्लेशन में रेग्लेशन 611 में, उप रेग्लेशन (ए) में शब्द "एक्स रे" के स्थान पर, शब्द "विकिरण-चित्रण" प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

23. उक्त रेग्लेशन में इस्पत निर्णय के प्रमाण-पत्र से सम्बद्ध फार्म 4 में, "हम एतद् द्वारा प्रमाणित करते हैं" से शुरू होकर और "मानकों के अनुसार सन्तोषजनक रूप से जाचा गया है" से समाप्त होकर के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा अर्थात् :-

"हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि नीचे दिया हुआ द्रव्य मैं
----- द्वारा ----- विधि से ----- मानक
के अनुसार बनाया गया है और ----- द्वारा रोल किया गया है

और हमारे जांच शाला के प्रबन्धक ग उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में निविष्ट जांचों व गुदाइशों के अनुसार सन्तोषजनक रूप से जांचा जाया है।

उन गांधिक बार/स्वैल्प, बिस्टैट और गर्म रोल की हुई पत्तियां, फिर पर उसी निर्णया द्वारा ट्र्यूब/पाईप बनाने के लिये और काम किया जाना है, इस्पात निर्णया द्वारा स्पैतिक गण देना बाल्जन नहीं है।"

24. उक्त रेग्लेशन में, परिशिष्ट जे के स्थान पर यह निम्नलिखित परिशिष्ट प्राप्तिस्थापित किया जायेगा अर्थात् :-

'परिशिष्ट जे

निर्णय के दोस्रा बॉयलर का निरोक्षण व जांच

मानान्य

इन्सपैक्टर, अवॉर्टी का निर्णय के कारबाने पर सभी उचित समयों पर बहुत होगा और वह बॉयलर निर्णय के न्यूनमात्र निम्नलिखित चरणों पर निरोक्षण करेगा व किसी अवधि को जो भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 की अपेक्षाओं का प्रनुपालन नहीं करता, आग्वीकार कर सकती है। किसी शका का स्थिति में, इन्सपैक्टर, अवॉर्टी नेचे दिये गये निर्दिष्ट च घों के अनुसार। अन्य किसी तरण में जाच कर सकती है। निर्णया इन्सपैक्टिंग अवार्टी/इन्सपैक्टर अधिकारी की हर चरण पर पहचान से न्यूनतम 4 कार्य विवर पहले लूचना देना। किसी भी चरण पर निरोक्षण करने से पहले इन्सपैक्टिंग अवार्टी/इन्सपैक्टर अधिकारी खुद की सन्तुष्ट कर लेगा कि परीक्षण उपकरण/संबंधीक से अशांकन कर लिये गये हैं।

निर्णय के दोस्रा निरोक्षण

प्रत्येक बॉयलर निर्णय के दोस्रा इन्सपैक्टिंग अवार्टी द्वारा नामित इन्सपैक्टिंग अधिकारी के द्वारा निरोक्षण किया जायेगा। यह सुनिश्चित करने के लिये कि द्रव्य, बनावट व जांच इन विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप है प्राप्तित निरोक्षण किया जायेगा। निर्णय के दोस्रा निरोक्षण के चरण :-

(ए) (i) प्लेट पर लगे चिन्हों को लेट निर्णय के प्रमाण-पत्र में अकित चिन्हों से मिलान करने,

(ii) प्लेट के निर्णय के प्रमाण पत्र में दिये हुये यांत्रिक य रसायनिक गुणों के परिणामों को भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 को अपेक्षाओं के विरुद्ध जाच करने,

(iii) मूल प्लेट या प्लेटों में काटने से पहले परीक्षण प्लेटो को पहचान के निये अकण के मास्कों रहिये।

(वो) जब शैल प्लेट और छोर प्लेट, प्लेटो के किनारे बैलिंग के लिये तैयार करके, बनाई गई हो और जांच प्लेटो जाओ गई हों,

(सी) जब गुद्ध तेलनाकार शैल का बैलिंग पूरा होता है और गोलाई के लिये जाचा जाता है;

(डो) विकिरण चित्र और/या अविद्वासात्मक परीक्षण के परिणाम की परीक्षा करना,

(ई) जब सुराख तैयार कर लिये गये हों और स्टैंड पाईप और समरूप जीड, समेत छोर प्लेटों के, अपने स्थान पर टैक बैलिंग किये गये हों और उसके पंचात पूरा होने के स्थिति में,

(एफ) जब इम या शैल की बैलिंग पूरी हो और होट्टीट्मेंट का रिकार्ड जांचने को जब कि इन विनियमों के अन्तर्गत हीट-ट्रोट्मेंट बाल्जित हो।

(जो) जब बैल्ड जांच के नमूने आँकिन - अथ को माझो करने के लिये पहले में भूमे हुये परीक्षण प्लेट से यन्माये गये हों।

(एच) द्रवीय जांच के दीर्घान, नांगर्खान बाह्य व आंतरिक जांच व गृहर लगाना।

(दो) बाटर ट्यूब बैंगलर

1. बैल्ड किये हुए ड्रम व हैंडर

(ए) (i) जब बैंगलर निर्माता के कारबाही पर प्लेटें पहचान के लिये प्लेट मिल प्रमाण पद्धति में माय तैयार हो और बैंगलरकार स्पष्ट दिये जाने के लिये माप को काट कर तैयार को जानी हो।

(ii) प्लेट बिछाने और काटने में प्लेट पहचान चिन्ह ऐसी स्थिति में होगा कि बैंगलर अवश्य बनाने के बाद साफ से दिखाई दे। यदि प्लेट का पहचान चिन्ह अपशिष्टार्थता से काट दिया जाता है, इसे निर्माता द्वारा इन्सैक्टिंग अथार्टी की संपर्कित के अन्मार अवश्य के बिसी हूसरे भाग पर स्थानान्तरित कर दिया जायेगा;

(iii) यदि उत्पावन बैल्ड जांच आँकिन हो तो इन्सैक्टिंग अथार्टी जांच प्लेट द्रव्य का निधारण करेंगे।

(बी) जब प्लेट बैंगला के दिये किन्तु बाकर बैंगलरकार स्पष्ट दिये के लिये बनाई जानी हों और बैलिंग पूर्ण करने के लिये व जांच प्लेट जोड़ने के लिये तैयारी की ग्रवस्था में रखी गई हो;

(सी) जब मुख्य बैंगलरकार जीव की बैलिंग पूरी हो गई हो, जीव गोलाई के लिये जांचा जाये और विकिरणीय या अल्ट्रासाउनिक बैल्ड जांच निपोट/रिकार्ड जांच के लिये उपलब्ध कराये जाने हों,

(दी) जब स्लोर की प्लेट मिल प्रमाण-पत्र के माय पहचान के लिये तैयार हो, बैल्ड किनारे तैयार करके आकार के बनाये गये हों और बैंगलरकार जीव पर लगा कर परिधिक बैलिंग के लिये तैयार कर लिये गये हों।

(ई) जब ड्रम या हैंडर पर छोर की प्लेटो की बैलिंग पूरी हो और विकिरण चित्र या अल्ट्रासाउड परीक्षण रिकार्ड जांच के लिये उपलब्ध हो।

(एफ) जब प्रत्येक ड्रम या हैंडर अतिरुक्त प्लेट और प्रैंचमैट लगाने को तैयार किया गया हो, और जब स्लर प्रकार के भास्त्र या ट्यूब स्टब के कम से कम 10 प्रतिशत की बैलिंग के लिये तैयार किया जाये,

(जो) जब प्रत्येक ड्रम या हैंडर पर सारी बैलिंग हो जाये इन्सैक्टिंग अथार्टी हॉट ट्रीटमेंट का रिकार्ड जारी, और परीक्षण प्लेट से बनाने और जांचने के लिये नमूने के लिये निर्धान लगाये जायेंगे।

(एच) द्रवीय जांच पर नत्यरक्षान बाह्य और आर्टरिक जांच व परक्षान और मुहर लगाना। 50 मिलीमीटर से भोटे एकाय इस्पात के ड्रम और 100 मिलीमीटर से भोटे हाई कार्बन इस्पात ड्रमो के दिये जूसों, डॉजन आर रटब बैल्ड पर बनात भूमि के बाद और अविवेत्मक जांच क जायेगी;

(झाई) कांई ड्रम जिसमें द्रवीय जांच के बाद सूखाय बनाये गये हों यह काय पूरा होने पर निर्माता के कारबाही से भेजने से पहले फिर से जाया जायेगा।

मी जोड़ रहित इस और हैंडर

(1) जब द्रव्य इस्पात निर्माता के उत्पादन व जांच प्रमाण-पत्र के गाथ पहचान के लिये तैयार हो, तब भी जब प्रत्येक सिनेडर बयाये जाने के लिये तैयार हो, या अलग अलग छोर कलोजर की बैलिंग पर और जांच प्लेट के द्रव्य को पहचान के लिये,

(2) जब प्रत्येक निन शैल ड्रम या हैंडर को अतिरूपि लिये शट्टेज्मेंट लगाने को तैयार किया जाता है और स्टैंड पाईपों, द्रव्यों या द्रव्य स्टमों की ओतक संकेत के डिग के लिये तैयार लगाया जाता है।

(3) जब प्रत्येक ड्रम पर बैलिंग पूरी हो जाये व विकिरण चित्र या अल्ट्रासाउनिक जांच रिकार्ड उपलब्ध हो तो इन्सैक्टिंग अथार्टी हॉट ट्रीटमेंट का रिकार्ड जारी और परीक्षण प्लेट में जांच के लिये नमूनों पर निर्धान लगायेगी।

(4) द्रवीय जांच पर, नत्यरक्षान बाह्य व आंतरिक जांच व मुहर लगाना। हाई कार्बन या एलाय द्रव्य के भोटे ड्रमों पर ड्रम नॉजल और अस्ट्रिप बैल्ब पर बन व मुक्ति के बाद और अधिकांश-ड्रम की जायेगी।

टीट्यूब व आंतरिक पाईप

(ए) जब टीट्यूब या पाईप ट्यूब निर्माता के प्रमाण पत्र यांगलर निर्माता के कारबाही में पहचान के लिये तैयार हो और कम से कम 10 प्रतिशत ट्यूब या पाईप बैलिंग के लिये लगाये गये तैयार हो।

(बी) जब टीट्यूब या पाईप और उसके अस्ट्रिपमैट की बैलिंग पूरी हो और अविड्विंगस्टम्प, जांच की रिकार्ड रिकार्ड जांच के लिये उपलब्ध हो।

(ई) इन्सैक्टिंग अथार्टी द्वारा इस्पात निर्माता/फाउन्डी/फोर्ज व पाईप और ट्यूब निर्माता के कारबाही पर किये जाने वाले निरीक्षण व जांच:—

1. इस्पात निर्माता का कारबाहा

(ए) जब बिलैट, प्लेट, एंगल, बार व बैंगलर के निर्माण में प्रयोग किया जाने वाला कोई अव्यावश्यक निर्माण के आधार पर इस्पात की रसायनिक जांच करना;

(2) यांत्रिक जांच के लिये नमूने पर निर्धान लगाना,

(3) अनिम जांच।

टिप्पणी—ऊपर उल्लेखित किसी भी चीज के बावजूद जहां इस्पात भारतीय वांगलर विनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय बैंगलर बोर्ड में मान्यता प्राप्त मुप्रिलिद्ध इस्पात निर्माता द्वारा बनाया गया हो यह जांच इस्पात निर्माता द्वारा स्वयं की जायेगी, प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व उनका रिकार्ड रखा जायेगा। ऐसे जारी किये गये प्रमाण-पत्र आगे उपयोग के लिये इन्सैक्टिंग अथार्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

2. फाउण्डी/फोर्ज इकाईयाँ

जब बिलैट बार फोर्ज करने के लिये प्राप्त किये जायें व प्रृथम के लिये तैयार हों :

- (क) डलाई/फोर्जिंग द्रव्य का रसायनिक विस्तृत प्रयोग ;
- (ख) डलाई/फोर्जिंग के जांच नमूने पर निशान लगाना व यांत्रिक जांच ।

टिप्पणी :—ऊपर उल्लेखित किसी भी चीज़ के बाबजूद यहाँ डलाई/फोर्जिंग भारतीय बायंसर विनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय बायंसर बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त सुप्रसिद्ध फाउण्डी/फोर्ज द्वारा बनाये गये हों यह जांच फाउण्डी/फोर्ज द्वारा स्वयं की जायेगी, प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व उनका रिकार्ड रखा जायेगा । ऐसे जारी किये गये प्रमाण-पत्र आगे उपयोग के लिये इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा स्वीकार्य किये जायेंगे ।

3. पाईप और ट्यूब निर्माता :

- (क) जब बिलैट, प्लेटें प्रृथम के लिये तैयार हों ;
- (ख) जब पाईप/ट्यूब जांच के लिये तैयार हों ; और प्रमामानीकरण के पश्चात् यांत्रिक जांच के लिये चुनना ;
- (ग) जब जांच नमूने जांच के लिए तैयार हों ;
- (घ) जब पाईप/ट्यूब द्रवीय जांच वा अविद्युत्सात्मक जांच के लिये तैयार हों ।

टिप्पणी :—ऊपर उल्लेखित किसी भी चीज़ के बाबजूद जब पाईप/ट्यूब भारतीय बायंसर विनियम के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त पाईप/ट्यूब निर्माता द्वारा बनाई गई हों, यह जांच निर्माता द्वारा स्वयं की जायेगी, प्रमाण-पत्र आरी किया जायेगा व रिकार्ड रखा जायेगा । निर्माता द्वारा ऐसे जारी किये गये भारतीय बायंसर विनियम 1950 के विहित फार्म में प्रमाण-पत्र आगे उपयोग के लिये इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा स्वीकार दिया जायेगा ।

4. मविरंचन कर्ता के कारखाने में वस्तुओं वा मविरंचन पर लिये जाने वाले निरीश्वरण व जांच :

- (क) द्रव्य की प्रृथमाना ;
- (ख) मांगो भी जांच नहीं ,
- (ग) द्रव्यी जांच ।
- (एफ) वाच जीर्म माउन्टिंग
- (ए) जब नार्ड प्लेट द्रव्य जांच वा जांचों के लिये चुनाव के लिये तैयार हों ,
- (बी) जब जांच नमूने जांच के लिये तैयार हों ,
- (सी) भारतीय बायंसर विनियम के अन्तर्गत वालिन अविद्युत्सात्मक जांचें ;

(डी) जब अवयवों को मरीन किया और जोड़ा जाता है और इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा अनुमोदित ड्राइंग के अनुसार माप जाने जाते हैं ;

(ई) अनुमोदित ड्राइंग के अनुमार द्रवीय जांच ।

टिप्पणी :—ऊपर उल्लेखित किसी भी चीज़ के बाबजूद, सुप्रसिद्ध फाउण्डी/फोर्ज आदि के मामले में, निरीक्षण के पहले दो चरण स्वयं फाउण्डी/फोर्ज द्वारा किये जायेंगे, प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व रिकार्ड रखा जायेगा । ऐसे जारी किये गये प्रमाण-पत्र आगे प्रयोग के लिये इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे ।

[मिमिल सं. 6(10)/92-बॉयलर]

विजय कुमार गोपल, मविव,
केंद्रीय बायंसर बोर्ड

पाद टिप्पणी :—मूल विनियम एम.आर.ओ. संख्या 600 दिनांक 15 अप्रैल, 1950 में केवल अग्रेजी में प्रकाशित किये गये थे व अन्तिम बार निम्नलिखित अधिसूचना में संशोधित किये गये थे

- (1) सा.का.नि. संख्या 178 दिनांक 24 मार्च, 1990
- (2) सा.का.नि. संख्या 179 दिनांक 24 मार्च, 1990
- (3) सा.का.नि. संख्या 488 दिनांक 9 अक्टूबर, 1993
- (4) सा.का.नि. संख्या 516 दिनांक 23 अक्टूबर, 1993
- (5) सा.का.नि. संख्या 634 दिनांक 25 दिसम्बर, 1993

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

Central Boilers Board

New Delhi, the 5th April, 1994

65R 194—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any persons with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary Central Boilers Board, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan, New Delhi 110011.

DRAFT REGULATIONS

- (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Sixth Amendment) Regulations, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulation, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2,—

- (a) after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—
- (cc) "calculation pressure", in relation to a boiler, means the design pressure of any part adjusted to take into account the pressure drops corres-

ponding to the most severe conditions of pressure drop and hydraulic head ;"

(b) after clause (dd), the following clause shall be inserted, namely :—

"(dd) design pressure" means,—

- (i) in relation to a natural or assisted circulation boiler, the maximum allowable working pressure in the steam drum of the boiler ;
- (ii) in relation to a once through forced-circulation boiler, the maximum allowable working pressure at the final superheated steam outlet ;"

3. In the said regulations, in regulation 4, in sub-regulation (c), in paragraph (v), in the Note, for paragraph (e), the following paragraph shall be substituted, namely :—

"(c) Each grade of steel is tested at three temperatures, namely 500°C, 550°C and 600°C for T22 grade of steel and 460°C, 500°C and 550°C for T12 grade of steel and at three stress levels to give rupture lives of 1000, 3000, 10000 hours at each temperature and taking two specimens under each test condition in conformity with the Code/Specification to which the steel is made.".

4. In the said regulations, in regulation 4-A, after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(4) In case of foreign firms seeking recognition as "Well-known Steel Maker" "Well-known Pipe/Tube Maker", "Well-known Foundry" or "Well-known Forge", a fee of \$10,000 (Ten thousand US Dollars) only shall be deposited alongwith the completed questionnaire form. The Evaluation Committee shall carry out the evaluation within 120 days of the receipt of the fees.".

5. In the said regulations, in regulation 61, in sub-regulation (a), the following proviso shall be added at the end, namely :—

"Provided that the test may be dispensed with by the Inspecting authority if the tube is subjected to non-destructive testing by an appropriate method like ultrasonic or/and Eddy current testing.".

6. In the said regulations, in regulation 113, after sub-regulation (b), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(bb) In the construction of unfired boilers when the dished ends do not form a part of the heating surface, cold spun dished ends conforming to IS : 2825 may be used.".

7. In the said regulations, for regulation 268, the following regulation shall be substituted, namely :—

"268. Hydraulic test at makers' works—

(a) Boiler drum and other cylindrical components having internal diameters greater than 600 millimetres shall be hydraulically tested on completion of manufacture at the makers' works in the presence of Inspecting Officer to 1½ times the maximum permissible working pressure without indication of weakness and defects.

(b) All components which are not reasonably accessible for inspection after assembly into the boiler or have been tested hydraulically prior to welding at a pressure less than that specified in sub-regulation (a) shall be tested hydraulically to 1½ times the maximum working pressure before assembly into the boiler.

(c) Tubular products that have been hydraulically tested to the required pressure prior to welding or ultrasonically tested shall not require further hydraulic testing as components provided they were joined during assembly by circumferential butt joint which have been welded and non-destructively tested as per relevant provisions of these regulations.

(d) Components other than tubular products shall not require hydraulic testing before assembly into the boiler if the completed boiler is tested hydraulically to 1½ times the maximum permissible working pressure at site.

(e) In case of drums, headers which are to be fitted with tubes, the test may be made before drilling of tube holes but after attachments of nozzles and similar fittings.

(f) The test pressure shall be raised gradually under proper control at all times so that it never exceeds by more than 6% of the required pressure and maintained for 30 minutes whereupon the pressure shall be reduced to maximum allowable working pressure and maintained for sufficient time to permit close visual inspection for leakages of the pressure parts.

(g) The temperature of water used as medium of pressure testing shall not be less than 25°C and more than 50°C.

(h) In case of drums of 'composite' construction and partly riveted and partly welded seams or seamless forged drum shell with ends attached by fusion welding, the test pressure shall be the same as for fusion welded drums.

(i) Should the hydraulic test reveal any defects in the welded seam, it shall not be repaired unless the Inspecting Authority permits to do so.

(j) On completion of agreed repairs to a drum which has previously been stress relieved by heat-treatment, further heat-treatment, if required by the Inspecting Authority, shall be done and the drums shall again be subjected to hydraulic test.

8. In the said regulations, in regulation 310, for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely :—

"(1) The permanent set in the spring (defined as the difference between free height and height measured ten minutes after the spring has been compressed solid three additional times, after pre-setting at room temperature) shall not exceed 0.5% of the free height.".

9. In the said regulations, in regulation 320,—

(a) for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(a) Every boiler shall have two means of indicating the water in it of which one shall be conventional gauge glass.

Provided that in the case of boiler drums below 3 feet (91 cm) diameter where there is difficulty in fitting two water gauges, two test cocks and a glass water gauge shall be fitted".

(b) sub-regulation (b) shall be omitted ;

(c) sub-regulation (c) and (d) shall respectively be renumbered as sub-regulations (b) and (c) ;

(d) in sub-regulation (b) as so re-lettered,—

(i) for the figure and word "2 inches", the figures and word "50 millimetres" shall be substituted ;

(ii) the following shall be added at the end, namely :—

"Minimum length of the visible portion of the gauge glasses shall be 200 mm. The length may be increased depending upon the capacity of the boiler by the Chief Inspector/Director of Boiler of the manufacturing State".

10. In the said regulations, in regulation 357, in sub-regulation (b),—

(a) for words and figures "Figure Nos 28 to 34", the words and figures "Figure Nos. 28 to 34-A" shall be substituted.

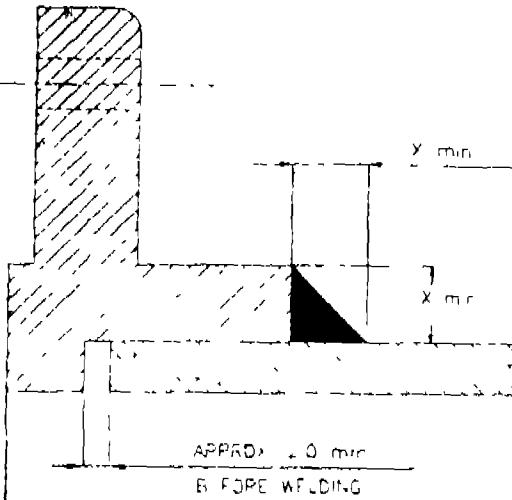
(b) after type '7' and the entry relating thereto, the following shall be added, namely :—

"8. Socket welded flange Figure 34-A".

(c) in the design conditions, the following shall be added at the end, namely :—

"Type 8 flanges for all design pressure and temperature conditions. This type shall be used only for pipes upto and including 51 mm (2 inches) nominal bore. These flanges shall not be used where severe erosion or corrosion is expected to occur."

(d) after figure 34, the following figure shall be inserted, namely :—



DIMENSION X min = 1.09 in (NOMINAL PIPE WALL THICKNESS) OR THICKNESS OF FLANGE HUB, WHICHEVER IS SMALLER.

SOCKET WELDED FLANGE

FIGURE NO. 34A

11. In the said regulations, in regulation 376, for sub-regulation (e) the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(e) No blank flange/plug shall be inserted between a safety valve chest and the boiler generally and where it is permitted by the Inspector the blank flange/plug shall be removed in his presence."

12. In the said regulations, in regulation 379, for sub-regulation (a), the following shall be substituted, namely :—

"(a) (i) Subject to the provisions of sub-regulation (e) of regulation 381, every boiler shall be hydraulically tested after erection at site in presence of the Inspector to $1 \frac{1}{2}$ times the maximum working pressure as certified by the Inspecting Authority in form II, to be stamped on the boiler, as free from any indication of weakness or defects.

(ii) If all components of the boiler in the manufacturer's premises have not been tested hydraulically as per regulation 268, the test, on completion, shall be taken to $1 \frac{1}{2}$ times the maximum working pressure.

(iii) The temperature of the water used as medium of pressure testing shall not be less than 20°C and greater than 50°C .

(iv) The test pressure shall be raised gradually under proper control at all times so that it never exceeds by more than 6% of the required pressure and maintained for 30 minutes whereupon the pressure shall be reduced to maximum allowable working pressure and maintained for sufficient time to permit close visual inspection for leakage of pressure parts."

13. In the said regulations, in regulation 382, in sub-regulation (a), in the list of States/Union Territories with their distinguishing letter, after the entry

"Manipur MA", the following shall be inserted, namely :—
"Meghalaya ML".

14. In the said regulations for regulation 388, the following regulation shall be substituted, namely :—

"388. Transfer of Memorandum of Inspection Book and Registration Book.—On a boiler passing from one State to another, the following procedure shall be adopted for transfer of Memorandum of Inspection Book and Registration Book :—

- The purchaser shall on request, be given the information by the transferer State regarding the availability of the records within fifteen days.
- The records shall be sent by the transferer State to the transferee State within 60 days of the receipt of the request from the transferee State.
- In case the records are not received as stipulated above, the matter shall be brought to the notice of the Technical Adviser (Boilers) who will take up the matter with the concerned authorities.
- In case the records are not traceable at all, new Registration number shall be given by the transferee State after getting clearance from the Central Boilers Board."

15. In the said regulations, for regulation 391-A, the following regulation shall be substituted, namely :—

"391-A. Ageing of boilers.—

(a) Shell Type Boilers :

(i) In order to take the ageing effect on boilers, the working pressure of the parts of them as calculated from the formula in these regulations shall be reduced as per the table given below :—

TABLE

Age of boiler exceeding (in years)

25	35	45	50	60	70	80	90	100
----	----	----	----	----	----	----	----	-----

Maximum permitted working pressure percent.

95	90	85	80	70	60	50	40	30
----	----	----	----	----	----	----	----	----

(ii) For those holders the plates of which have already been cut and tested under regulation 7 and this regulation shall be given a further lease of life of 50 years from the date of the test of the boilers. The working pressure that shall be allowed after the testing shall be reduced as per the table given below :—

TABLE

Period after date of test (in years)

10	20	30	40	50
----	----	----	----	----

Maximum working pressure allowed (Percentage).

90	80	70	50	30
----	----	----	----	----

(b) Water Tube Boilers :

(i) The boilers which are operating at a temperature of 400°C and above including utility/industrial boilers and all boiler parts operating in the creep range of the boiler shall be non-destructively tested after they are in operation for 100,000 hours for assessment of the remnant life of the parts ;

(ii) The parts of a boiler when it completes a life of 25 years are to be tested for assessment of the remnant life of such parts. If results are acceptable as per the standard laid down by the Central Boilers Board, a certificate shall be issued by the Chief Inspector of Boilers for extending the life of the boiler for a further

period of 10 years or such less period as recommended by the Remnant Life Assessment Organisation. This assessment of remnant life shall be carried out thereafter every five years by the organisations working in the field of boilers and remnant life and extension thereof after such organisation is approved by the Central Boilers Board. Such organisation shall work in close coordination with the office of the Technical Adviser (Boilers) in the field of remnant life assessment and extension. The working pressure of such boilers may be reduced on the recommendations of such approved organisation."

16. In the said regulations, in regulation 393,—

- (i) in sub-regulation (d) after the words and figures "regulation 385", the words and figures "subject to a maximum of Rs. 20,000" shall be added.
- (ii) after sub-regulation (d) the following sub-regulations shall be added, namely :—
- (c) The arrangement drawings showing the broad details of modifications or conversions of the existing boilers shall be subject to the approval of the Chief Inspector of Boilers of the State where the boiler is intended for modification or conversion is registered.
- (f) If the detailed manufacturing drawings are got approved by the Inspecting Authority of the State where parts will be manufactured and inspected, no separate compliance of sub-regulation (e) is required."

17. In the said regulations, in regulation 395-A, for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

- "(3) For inspection of tubes and pipes, the fees shall be charged at the rate of Rs. 100 per metric tonne or a fraction thereof."

18. In the said regulations, in regulation 395-C, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

- "(1) Subject to a minimum inspection fee of Rs. 300 per inspection for the valves, the inspection fee shall be charged as under :—
- (a) Upto 25 mms Rs. 5 per piece.
- (b) Above 25 mms and upto 50 mms Rs. 10 per piece.
- (c) Above 50 mms and upto 100 mms Rs. 20 per piece.
- (d) Above 100 mms and upto 250 mms Rs. 100 per piece.
- (e) Above 250 mms Rs. 200 per piece."

19. In the said regulations, after regulation 395-F, the following regulation shall be inserted, namely :—

"395-G Fee for inspection of spares and scantlings :—

The fees for inspection of spares and scantlings shall be charged as under :—

- (a) For outside surface area not exceeding 10s ft (0.93 m²) .. . Rs. 300.
- (b) For outside surface area exceeding 10s ft (0.93 m²) but not exceeding 30s ft (2.79 m²) .. . Rs. 400
- (c) For OSA exceeding 30s ft (2.79 m²) but not exceeding 50sft (4.65 m²) .. . R. Rs. 450
- (d) For OSA exceeding 50sft (4.65 m²) but not exceeding 70s ft (6.55 m²) .. . Rs. 550.
- (e) For OSA exceeding 70s ft (6.50 m²) but not exceeding 90s ft (8.36 m²) .. . Rs. 650.
- (f) For OSA exceeding 90sft (8.36 m²) but not exceeding 110s ft (10.22 m²) .. . Rs. 750.

20. In the said regulations, in regulation 545, after sub-regulation (c), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(ccc) In the construction of unfired boilers when the dished ends do not form a part of the heating surface, cold spun dished ends conforming to IS : 2825 may be used."

21. In the said regulations, in regulation 554, for figures XII/53, XII/54 and XII/56, the following figures shall be substituted, namely :—

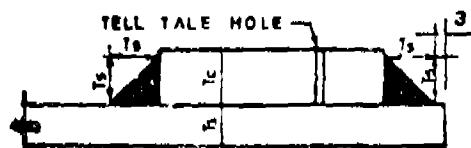


Figure No. XII/53

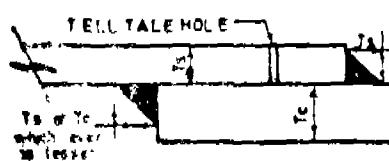


Figure No. XII/54

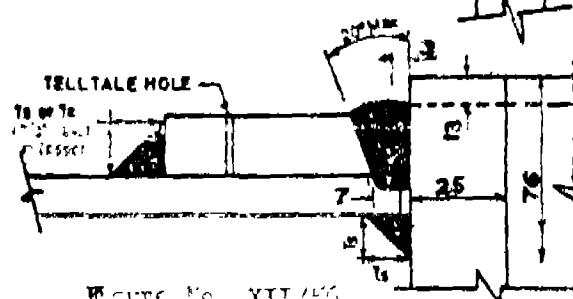


Figure No. XII/56

22. In the said regulations, in regulation 611, in sub-regulation (a), for the word "X-Ray" the word "radiographic" shall be substituted.

23. In the said regulations, in Form IV relating to the Steel Maker's Certificate, for the portion beginning with "we hereby certify that" and ending with "in accordance with the standards", the following shall be substituted, namely :—

"We hereby certify that the material described below has been made by M/s. _____ by the _____ process, as per specifications, _____ and rolled by _____ and has been satisfactorily tested in the presence of our Test House Manager or his representative in accordance with the stipulated tests and tolerances.

For gothic bards/scelps, billets and hot rolled strips which are to be processed further by the same manufacturer for making tubes/pipes, the physical properties are not required to be mentioned by the steel manufacturer."

24. In the said regulations, for Appendix J, the following Appendix shall be substituted, namely :—

APPENDIX J

Inspection and Testing of Boilers during construction

GENERAL

The Inspecting Authority shall have access to the works of the manufacturer at all reasonable times and shall inspect the manufacture of the boiler at least at the following stages and may reject any part that does not comply with the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950. In case of any doubt, the Inspecting Authority may examine at any stage other than the stages stipulated below. The manufacturer shall give at least 4 working days' notice to the Inspecting Authority/Inspecting Officer before reaching each stage. Before undertaking any of the stage inspections, the Inspecting Authority/Inspecting Officer shall satisfy himself that the testing equipment/instrument has been properly calibrated.

Inspection during construction

Each boiler shall be inspected during construction by an Inspecting Officer nominated by the Inspecting Authority. Sufficient inspections shall be made to ensure that the materials of construction and testing conform to the requirements of these regulations.

Stages of inspection during construction

A. Shell Type Boilers

- (a) (i) Check the identification markings on the plate with those recorded on the plate makers' certificates ;
- (ii) Check the reported result of the mechanical and chemical properties on the plate makers' certificates against the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950.
- (iii) Witness the marking of the test plates for identification before they are cut from the parent plate or plates.
- (b) When the Shell plate and end plates have been formed with plate edges prepared for welding and test plates are attached.
- (c) When the welding of main cylindrical shell is completed and checked for circularity ;
- (d) To examine radiographs and/or reports of non-destructive testing ;
- (e) When openings have been prepared and stand pipes and similar connections including end plates have been tack-welded in position and subsequently on completion ;
- (f) When welding of drum or shell is complete and to check the records of heat-treatment when heat treatment is required under these regulations ;
- (g) When weld test specimens have been prepared from the test plate, previously selected to witness the required testing ;
- (h) During hydraulic test, followed by external and internal examination and stamping.

B. Water Tube Boilers :

1. Welded drums and headers

- (a) (i) When the plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler maker's works and cut to size ready for forming to cylindrical shape ;
- (ii) In laying out and cutting the plates, the plate identification mark shall be located so as to be clearly visible after the boiler part is completed. If the plate's identification mark is unavoidably cut out, it shall be transferred by the manufacturer to another part of the component to the satisfaction of the Inspecting Authority ;
- (iii) The Inspecting Authority shall identify weld test plate material if production weld tests are required.
- (b) When the plates are formed to cylindrical shape with the edges prepared for welding and set up in readiness for commencement of welding and attachment of test plates.
- (c) When the welding of the main cylindrical shell is completed, the shell checked for circularity and the radiographic or ultrasonic test reports/records are available for scrutiny ;
- (d) When the end plates are ready for identification with the mill certificate, formed to shape with weld edges prepared and set on to the cylindrical shell in readiness for the circumferential welding operation.
- (e) When the welding of the end plates to the drum or the header is complete and the radiographs or ultrasonic examination records are available for scrutiny ;
- (f) When each drum or header is prepared to receive any compensation plates and attachments and when

at least 10% of each type of branch or tube stub is set up ready for welding ;

- (g) When all welding on each drum or header is complete the Inspecting Authority will check the records of heat treatment, and mark off of specimens for preparation and testing from test plates ;
- (h) At hydraulic test followed by external and internal examination and stamping. On alloy steel drums thicker than 50 millimetres and high carbon steel drums thicker than 100 millimetres further non-destructive examination shall be done on drums, nozzle and stub weld after stress relief ;
- (i) Any drum having tube holes drilled subsequently to the hydraulic test shall be further examined on completion of this work and prior to despatch from the manufacturer's work.

C. Seamless Drums and Headers

- (a) When material is ready for identification with the steel makers' Certificates of manufacture and test, also when each cylinder is prepared for forming, or welding of separate end closures and to identify test plate material ;
- (b) When each plain shell drum or header is prepared to receive compensation plates and attachments and a representative number of stand pipes, tubes or tube stubs, are set up ready for welding ;
- (c) When all welding on each drum is complete and the radiographs or ultrasonic test records are available the Inspecting Authority shall check the record of heat treatment and the marking off preparation and testing of specimens from test plates ;
- (d) At hydraulic test, followed by external and internal examination and stamping. On thick drums of high carbon or alloy material further non-destructive examination shall be done on drum nozzle and stub welds after stress relief.

D. Tubes and Internal Pipings

- (a) When the tubes or pipes are ready for identification with the tube makers' certificate at the boiler makers' works and at least 10% of tubes and pipes are set up ready for welding ;
- (b) When all welding of tubes or pipes and their attachments are complete and the non-destructive examination report/records are available for scrutiny.

E. Inspections and tests to be carried out at Steel Makers' Works/Foundry/Forgings Units and the pipe and tube makers' works by the Inspecting Authority :

1. Steel Makers Works :

- (a) When the billets, plates, angle, bars or any other parts to be used in the construction of the boilers :
 - (i) checking of the chemistry of steel as per regulation ;
 - (ii) marking the test specimen for the mechanical test ;
 - (iii) Final testing.

Note.—Notwithstanding anything specified above where the steel is made by the Well-known Steel Maker as recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Board these test will be carried out and certified by the Steel Makers themselves and the records maintained. The certificates so issued will be accepted by the Inspecting Authority for further use.

2. Foundry/Forging Units

When billets bars for forging are received and ready for identification :

- (i) Chemical analysis of the casting/forging material ;
- (ii) Marking and mechanical testing of the test specimen of castings/forgings.

Note—Notwithstanding anything specified above, when the casting/forgings are made by well-known foundries/ forging units as recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Boilers Board then tests will be carried out and certified by the Foundries/Forges themselves and all records are maintained properly. The certificates so issued shall be accepted by the Inspecting Authority for further use.

3. Pipe and Tube Makers :

- (a) When billets, plates are ready for identification ;
- (b) When pipes, tubes are ready for examination; and selection of mechanical test after normalising ;
- (c) When the test specimens are ready for testing ;
- (d) When pipe/tubes are ready for hydraulic tests or the non-destructive examination.

Note—Notwithstanding anything specified above when the pipes/tubes are manufactured by well-known pipes/ tubes makers recognised under the Indian Boiler Regulations 1950 by the Central Boilers Board, all the above stages of inspections shall be carried out and certified by the manufacturers of pipes and tubes themselves and records maintained. The certificates so issued by the manufacturers in the prescribed forms of Indian Boiler Regulations, 1950 shall be accepted by the Inspecting Authority for further use.

4. Inspection and tests to be carried out at the Fabricators Works for fabrication of items.

For parts manufactured from the tubes/pipes at the manufacturers' works either by manipulation or fabrication.

- (a) Identification of materials ;
- (b) Checking of dimensions ;
- (c) Hydraulic test.

F. Valves and Mountings

- (a) When pre-casting materials are ready for examination and selection for tests ;
- (b) When the test specimens are ready for test ;
- (c) NDT as required under IBR.
- (d) When the parts are machined and assembled and are ready for dimensional check in accordance with the drawings approved by the Inspecting Authority.
- (e) Hydraulic test as per approved drawing.

Note—Notwithstanding anything specified above, in case of Well-known Foundries/Forges, etc., the first two stages of inspection will be carried out by the

Foundries/Forges themselves, and certified and record maintained. The certificates so issued shall be accepted by the Inspecting Authority for further use.

[File No. 6(10)/92-Boilers]
V. K. GOEL, Secy.

Footnote—The principal regulations were published in the Gazette of India as S.R.O. No. 600 dated 15th September, 1950 and last amended vide Gazette notifications :

- (i) GSR 178 dated 24th March, 1990.
- (ii) GSR 179 dated 24th March, 1990.
- (iii) GSR 488 dated 9th October, 1993.
- (iv) GSR 516 dated 23rd October, 1993.
- (v) GSR 634 dated 25th December, 1993.

खात्य मंत्रालय

नई विल्सो, 25 मार्च, 1994

सा. का. नि. 195.—खात्य विभाग समूह "क" और समूह "ब" (असचिवालीय पद) भर्ती नियम, 1963 में, भारत के राजपत्र भाग 2, एक्ट 3, उप एक्ट (i) तारीख 22 जून, 1974 से प्रकाशित भारत सरकार (खात्य विभाग) की अधिसूचना सा. का. नि. स. 628 तारीख 6 अप्रैल, 1974 हांग जोड़ी गई तकनीकी अधिकारी (अधारण और अनुसंधान) के पद से संबंधित कम म. 22 भौंपे संबंधित प्रतिनिधित्वों का लोप किया जाएगा।

[पा. स. ए. 12018/4/91-एस भार. ए]
जी. पी. वेंकटाचलम, अवर सचिव

MINISTRY OF FOOD

New Delhi, the 25th March, 1994

G.S.R. 195.—In the Department of Food Group 'A' and Group 'B', Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1963, serial No. 22 relating to the post of Technical Officer (Storage and Research) and the entries relating thereto added vide the notification of the Government of India (Department of Food), published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 22nd June, 1974, G.S.R. No. 628 dated the 6th April, 1974, shall be omitted.

[F. No. A-12018/4/91-SRA]
G. P. VENKATACHALAM, Under Secy.

नई विल्सो, 25 मार्च, 1994

सा. का. नि. 196.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक प्रारंभ प्रत्येकों का प्रयोग करो हुए खात्य मंत्रालय (समूह "क" असचिवालीय पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1992 का संशोधन करने के लिए निम्ननिष्ठित नियम बनाने हैं; प्रथात्—

1. (1) इन नियमों का संविधान भास्त खात्य मंत्रालय (समूह "क" असचिवालीय पद) भर्ती नियम, 1994 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाश भी तारीख को प्रदूष हांगे।
2. खात्य मंत्रालय (समूह "क" असचिवालीय पद) भर्ती नियम, 1992 मे—
(1) नियम 1 के उपनियम (1) में, "समूह "क" एक्ट और अधार के स्थान पर, "समूह "क" और समूह "ब" एक्ट और अधार रहे रहें।

(2) अनुसूची में, सहायक मिदेशक (भंडारण और अनुसंधान) के पद से संबंधित कम सं. 3 और उनमें संबंधित प्रधिष्ठियों के पश्चात्, निम्नलिखित काम संबंधीक और प्रविष्टियों जोही जाएगी, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
तकनीकी	63*(1993)	साधारण केन्द्रीय	1640-60-2600	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं	नहीं
अधिकारी	* (कार्यभार के सेवा, समूह "ब", व.रो.-25-2900				(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों	
(भंडारकरण	आधार पर	अराजपत्रिय	ह०		के अनुमार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक	
और अनुमधान)	परिवर्तन किया	अनुमतिवर्तीय			शिक्षण की जा सकती है।)	
	जा सकता।)				टिप्पण : आयु-सीधा अधिकारित करने के लिए निर्धारित तारीख भारत में अध्ययियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत वीर्य गई अंतिम सारीष होगी। (म कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अण्णाचल प्रदेश मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, लिपुरा, निकिम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खण्ड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीषि जिले गशा चम्बा जिले के पांची उपखण्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लद्दाख के अध्ययियों के लिए विहित र्या गई है।)	

8

9

10

आवश्यक

(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में कृषि से जिसी या रसायन विज्ञान या प्राणी विज्ञान या बनस्पति विज्ञान विषय के नहीं या वर्ष यादविज्ञान में जिसी या गमतुल्य; और

(2) व्यायामों के भंडारकरण और नाशक जीव नियंत्रण से संबंधित कार्य या दो वर्ष का अनुभव या खायानों और भवित्व उन्मादों के रासायनिक विश्लेषण के पश्चात् क्वानिटी निधारण में अनुभव।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय ने कीट विज्ञान गारा रोग या जैव रसायन में मास्टर डिप्री या गमतुल्य।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कोट विज्ञान, गारा रोग या जैव रसायन में डिपोर्टेशन के गारा कृषि भास्टर डिप्री या गमतुल्य।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय ने कीटविज्ञान में विशेषज्ञता के गारा प्राणी विज्ञान में मास्टर डिप्री या गमतुल्य।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से पादप रोग से विशेषज्ञता के साथ बनस्पति विज्ञान में मास्टर डिप्री या गमतुल्य।

टिप्पण 1—अर्हतात् अन्यता नुर्भास अध्ययियों की दशा में सध लोक सेवा आयोग के विकेन्द्रानुसार शिक्षित की जा सकती है।

टिप्पण 2—अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हतात्) सध लोक सेवा आयोग के विकेन्द्रानुसार अनुसूचित जातियों और शगूचित जनजातियों के अध्ययियों की दशा में नय शिक्षित की जा सकती है (है) जब व्यय के किसी प्रकार पर सध लोक सेवा आयोग की गह राय है कि उनके लिए अतराधित रिक्तियों और भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने साथे उन गमतुल्यों के अध्ययियों के पर्याप्त सत्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

(1) 60 प्रतिशत प्रोत्सवित द्वारा, जिसके प्रोत्सवित
न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर ऐसा तकनीशी सहायक/विश्लेषक, जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।
स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अन्तर्गत अल्पकालिक सेवा भी है)
गंत अधिकारीकालिक सेवा भी है) कैफीयत सख्त/राज्य गरकारों/संघ राज्य द्वारा/स्वास्थ्यी निकायों/कानूनी संगठनों/विषविद्यालयों/प्रदुर्भावकारी संगठनों

(2) 40 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा। अमुमन्धान संस्थाओं के लिए अधिकारी,

(क) (1) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हैं, या

(2) जिन्होंने 1600-2660 रुपये समतुल्य वेतनमान लाले पढ़ो पर दो वर्ष नियमित सेवा की है, या

(3) जिन्होंने 1400-2300/2600 रुपये समतुल्य वेतनमान लाले पढ़ो पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है,
और

(ख) जिनके पास स्वास्थ्य 8 वर्ष प्रधीन सीधी भर्ती द्वारा जाने वाले व्यक्तियों के लिए वित्तीय अधिकारी अनुबंध है।

पोषक प्रबन्ध के लिए विभागीय अधिकारी, जो प्रोत्सवित की सीधी वर्षिता में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पास नहीं होते।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति प्रोत्सवित द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने वे पाल नहीं होते। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिन अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन विभाग द्वारा नियुक्ति रोकी जाती है वहां सारित किसी प्रत्यक्ष काउन्टर वाहन पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारण 3 (तीन) वर्ष से अधिक नहीं होती। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके असंगत अल्पकालिक सेवा भी है) स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयुर्वीकार आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होती)।

समृद्ध 'ख' विभागीय प्रोत्सवित समिति (प्रोत्सवित/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)।
जिसमें निम्नलिखित होते हैं—

- उप-सचिव (प्रशासन) — अध्यक्ष
- उपायुक्त (प्रधारकरण और अमुमन्धान) — सचिव
- अवर सचिव, (प्रशासन) — सचिव

"टिप्पणी—से भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि
से स्वयंप्रिय विभागीय प्रोत्सवित नियुक्ति की वार्षिकीया, संपूर्ण योग सेवा
मार्गों में अनुमानार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि आवेदन उसका
अमुमन्धान नहीं है तो विभागीय प्रोत्सवित नियुक्ति के बैलूक सभी
लोक सेवा आवेदन की अध्यक्ष पावित्री मद्दत्य भी जारी की जिस से
होती।

टिप्पणी मुख्य नियम, साकारा में ₹ 8 तारीख 14-12-1992 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

किसी अधिकारी की सीधी भर्ती और प्रति
नियुक्ति पर स्थानान्तरण पर नियन्त्रण कर
नन्दन, सभी लोक सेवा आवेदन से परामर्श
करना आवश्यक है।

[प्र. म. प. 12016/4/91-एम ग्राम ए]
जी. पी. बिरदाचलम, अध्यक्ष मन्त्री

New Delhi, the 25th March, 1994

G.S.R. 196.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Food (Group 'A' Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1992, namely:—

1 (1) These rules may be called the Ministry of Food (Group 'A' Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1994

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2 In the Ministry of Food (Group 'A' Non-Secretariat Posts) Recruitment Rules, 1992,—

(1) in Sub-rule (1) of rule 1, for the word and letter "Group 'A'", the words and letters "Group 'A'" and "Group 'B'" shall be substituted.

(2) in the schedule, after serial No. 3 relating to the post of Assistant Director (Storage and Research) and the entries relating thereto the following serial No. and entries shall be added, namely :—

1	2	3	4	5	6
"4. Technical Officer 63* (1993) (Storage and Research) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'B'	Rs. 1640/-0-2600- EB-75-2900	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Govt. Servants upto 5 years in accordance with the instructions of order issued by the Central Government).	(Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar Islands or Lakhsahdweep.)

7	8	9	10
No.	ESSENTIAL	No.	2 years
	<p>(i) Degree in Agriculture or Degree in Science with Chemistry or Zoology or Botany as a subject of a recognised University or equivalent; and</p> <p>(ii) 2 years experience of work relating to storage of foodgrains and control of pests or experience in quality assessment after chemical analysis of foodgrains and allied products.</p> <p>OR</p> <p>Masters Degree in Entomology, Plant Pathology or Bio-Chemistry from a recognised University or equivalent</p> <p>OR</p> <p>Masters Degree in Agriculture with specialisation in Entomology, Plant Pathology or Bio-Chemistry from a recognised University or equivalent.</p> <p>OR</p> <p>Masters Degree in Zoology with specialisation in Entomology from a recognised University or equivalent.</p> <p>OR</p> <p>Masters Degree in Botany with specialisation in Plant Pathology from a recognised University or equivalent.</p>		
	<p>Note:-1 Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of Union Public Service Commission in the case of candidate belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>		

11	12	13	14
(i) 60% by promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract)	Promotion Technical Assistant/Analysers with 5 years regular service in the grade. Transfer on deputation (including short-term contract)	Group 'B' Departmental promotion Committee (for considering promotion confirmation) consisting of:- 1. Deputy Secretary (Administration) —Chairman 2. Deputy Commissioner (Storage & Research) —Member 3. Under Secretary (Administration) — Member	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making recruitment and selecting a officer on transfer on deputation.
(ii) 40% by direct recruitment	Officers of the Central/State Governments/Union Territories/Autonomous bodies/Statutory Organisations/Universities/Semi-Government Organisations/research Institutions (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 2 years regular service in posts in the scale of Rs. 1600-2600; or equivalent; or (iii) with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600; or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Col. 8. The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. (Period of Deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not be exceed 3 (three) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract)/ transfer shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).	Note : The proceedings of the Departmental promotional Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	

[F. No. A-12018/4/91-SRA]
G.P. VENKATACHALAM, Under Secy.

Note :—Principle rules were published vide G.S.R. No. 8 dated 14-12-1992.

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई विल्सनी, 28 जनवरी, 1994

सा.का.नि. 197.—इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अधिनियम, 1985 की धारा 27 (1985 का 50) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रबंध बोर्ड ने योजना बोर्ड, की बैठकों में पालन हेतु निम्नलिखित विनियम बनाये हैं :

योजना बोर्ड की बैठकों के लिए विनियम

(इन्हूंने अधिनियम की धारा 27)

1. इन विनियमों को "योजना बोर्ड की बैठकों के विनियम" कहा जाएगा और जिस तिथि से ये विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित किये जाएंगे उसी तिथि से इनको लागू किया जाएगा ।

2. योजना बोर्ड जिसे अब बोर्ड ही कहा जाएगा, की बैठकों की तिथि कुलपति द्वारा, जो कि बोर्ड के अध्यक्ष है उन्हें बैठक में लाया जाए यह अध्यक्ष के निर्भर करेगा ।

3. बोर्ड की बैठक के लिये नोटिस/सूचना कुलपति द्वारा जारी की जाएगी, जिन्हें प्रबंध बोर्ड ने सदस्य-सचिव नामित किया है ।

4. मामान्यत: बोर्ड की बैठक के लिए सिखित नोटिस 21 दिन पहले दिया जाएगा । परन्तु कुलपति द्वारा बोर्ड की तात्कालिक बैठक कारणों का उल्लेख करते हुए कम अवधि की सिखित सूचना देकर बुलाई जा सकती है ।

5. किसी बैठक में विचार किए जाने वाली कार्यसूची की मदों के नोट, प्रबंध बोर्ड द्वारा सदस्य-सचिव के रूप में नामित कुलपति द्वारा बैठक की तिथि से कम से कम 7 दिन पहले परिचालित किये जाएंगे बैठक में जो बैठक में विचार करने के लिये अत्याशयक और महत्वपूर्ण हैं उन्हें बैठक में लाया जाए यह अध्यक्ष के निर्भय पर निर्भर करेगा ।

6. बोर्ड के कुल सदस्यों में से यदि कम से कम 1/3

विशेष बैठक कुल सचिव द्वारा जो कि प्रबंध बोर्ड द्वारा सदस्य सचिव नामित किए गए हैं, बुलाई जा सकती है। इसकी तिथि कुलपति ने विचार-विमर्श करके निश्चित की जाएगी। सदस्य अपने मांग पत्र में ऐसी विशेष बैठक में विचार-विमर्श के लिये रखे जाने वाली कार्यसूची की मर्दों की जानकारी दे दें। विशेष बैठक में केवल उन्हीं विवादों पर विचार विमर्श किया जायगा। परन्तु ऐसी विशेष बैठक तभी तक नहीं की जायेगी जब तक कि इस बैठक की मांग रखने वाले सभी सदस्य उपस्थित न हों। पुनः शर्तें यह है कि यदि ऐसी बैठक में कोरम पूरा नहीं होगा तो फिर मांगपत्र को रद्द माना जायेगा।

7. यदि बोर्ड की बैठक बाकायदा विधिवत् बुलाई गई है और बैठक के लिये निश्चित समय के आधे घंटे के अंदर कोरम उपस्थित नहीं होता तो यह बैठक अगले सप्ताह के उसी दिन और उसी समय के लिये स्थगित कर दी जायेगी या बोर्ड के सदस्य अन्य कोई दिन या अन्य समय निर्धारित करें। स्थगित की गई बैठक की सूचना बोर्ड के सभी सदस्यों को भेज दी जायेगी। स्थगित की गई बैठक में यदि निश्चित समय के आधे घंटे के अंदर कोरम उपस्थित नहीं होता तो उपस्थित सदस्य कोरम निश्चित करें।

8. यदि बोर्ड द्वारा किसी विषय पर विचार किया जाना है तो यह अध्यक्ष (कुलपति) परिचालन द्वारा बोर्ड के सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त करने के लिये स्वतंत्र होंगे। ऐसी स्थिति में प्रस्ताव के प्रारूप के साथ उससे संबंधित व्याख्यातक टिप्पणियां, दस्तावेज एवं कागजात भी परिचालित किये जायेंगे। प्रस्ताव के प्रारूप पर यदि बोर्ड के अधिकारी सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर किये गये हों तो उसे स्वीकृत समझा जायेगा।

9. बोर्ड की बैठक में कार्य का संचालन अध्यक्ष द्वारा नियंत्रित किया जायेगा।

10. सामान्यतः सभी निर्णय आम राय द्वारा लिये जायेंगे। फिर भी यदि परिस्थितियों की मांग तुर्दी तो अध्यक्ष मन के लिये प्रस्ताव रख सकते हैं और बहुमत से निर्णय किया जायगा। गतिरोध की स्थिति में अध्यक्ष के पास निरणीक मत होगा।

11. बैठक का कार्यवृत्त कुलसचिव द्वारा, जो प्रबंध बोर्ड द्वारा उसके सदस्य-सचिव नामित किये गये हैं, सामान्यतः बैठक की तिथि के बाद एक सप्ताह के अंदर तैयार किया जायेगा जो उसे अध्यक्ष के पास स्वीकृति के लिए भेजेंगे। अध्यक्ष द्वारा स्वीकृत कार्यवृत्त टिप्पणियों के के लिये सदस्यों को परिचालित किया जायगा। कार्यवृत्त की पुष्टि करने से पहले, सदस्यों से प्राप्त टिप्पणियों को आगामी बैठक में विचार के लिये रखा जायेगा।

12. बोर्ड की बैठकों में लिये गये निर्णयों का अध्यक्ष द्वारा तैयार और स्वीकृत किये गये कार्यवृत्त वे आधार पर कार्यान्वयन किया जाएंगा।

13. इन विनियमों को संशोधित या निरस्त करने या उनमें कुछ जोड़ने का अधिकार प्रबंध बोर्ड के पास होगा।

[फा.सं. आई.जी.प्र. (जी) विनियम 3/93]
के नारायणन, कुल सचिव

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY

New Delhi, the 28th January, 1994

G.S.R. 197.—In exercise of the powers conferred by Section 27 of the IGNOU Act, 1985, (50 of 1985), the Board of Management makes the following Regulations for the conduct of the meetings of the Planning Board:

Regulations for the meetings of the Planning Board

(Section 27 of the IGNOU Act)

1. These regulations may be called "Regulations for the meetings of the Planning Board" and they shall come into force from the date they are notified by the University.

2. The date for a meeting of the Planning Board, herein-after referred to as Board, shall be fixed by the Vice-Chancellor, who is the Chairman of the Board.

3. The notice for a meeting of a Board shall be issued by the Registrar, designated by the Board of Management as its Member-Secretary.

4. Ordinarily, a notice in writing of 21 days shall be given for a meeting of the Board. Provided that an urgent meeting of the Board may be convened by giving a shorter notice for reasons to be recorded in writing by the Vice-Chancellor.

5. The Registrar, designated by the Board of Management, as its Member-Secretary, shall circulate, at least 7 days before the meeting, the notes on the items of the agenda to be considered at a meeting. Provided that it shall be open to the Chairman, at his discretion, to bring up such items which are urgent and important in nature for consideration at the meeting itself.

6. A special meeting of the Board may be convened by the Registrar, designated by the Board of Management as its Member-Secretary, if a request to this effect is received in writing from not less than 1/3rd of the total number of members of the Board, on a day to be fixed in consultation with the Vice-Chancellor. Members requisitioning such a special meeting should indicate the agenda item(s) which they propose to discuss at the meeting, and the special meeting will consider only those items. Provided that a special meeting shall not be held unless all the members who requisitioned such a meeting are present. Provided further that the requisition shall be deemed to have been cancelled if there is no quorum at such a meeting.

7. Where a meeting of the Board has been duly convened and no quorum is present within half an hour of the time appointed for the meeting, the meeting will be adjourned to the same day and time in the next week or to such other day and at such other time and place, as the members of the Board may decide, and notice for the adjourned meeting shall be sent to all the members of the Board. If no quorum is present at an adjourned meeting within half an hour of the appointed time, the members present shall constitute the quorum.

8. Where a matter is to be considered by a Board it shall be open to the Chairman (Vice-Chancellor) to obtain the approval of the members of the Board by circulation. In that event the draft resolution shall be circulated together with explanatory notes and copies of the papers and documents connected therewith and the draft resolution shall be deemed to have been approved, if it is signed by a majority of the members of the Board.

9. The conduct of business at a meeting of the Board shall be regulated by the Chairman.

10. Ordinarily all decisions shall be by consensus. However, if circumstances so warrant, the Chairman may put a resolu-

tion to vote and the decision shall be carried by a majority. In case of a tie, the Chairman shall have a casting vote as well.

11. The minutes of the meeting shall be prepared by the Registrar designated by the Board of Management as its Member-Secretary, ordinarily within a week's time after the date of meeting, who shall submit the same to the Chairman for his approval. The minutes approved by the Chairman shall be circulated to the members for their comments. Comments, if any, received from the members shall be considered at the following meeting before the minutes are confirmed.

12. The decisions taken at a meeting of the Board may be implemented on the basis of the minutes prepared and approved by the Chairman.

13. The power to amend, repeal or add to these Regulations shall vest with the Board of Management.

[No. IG/Admn.(G)/Regu. 3/93]
K. NARAYANAN, Registrar.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1994

सा.का.नि. 198 — द्वितीय गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अधिनियम, 1985 की धारा 27 (1985 का 30) द्वारा प्रवत्त एवं विभिन्नों का प्रयोग करते हुए प्रबंध बोर्ड ने शैक्षिक परिषद की बैठकों में पालन देने विभिन्नता नियम यथार्थ है;

योजना बोर्ड की बैठकों के लिए विनियम
(वान अधिनियम की धारा 27)

1. इन विनियमों को "शैक्षिक परिषद की बैठकों के विनियम" कहा जाएगा और जिस तिथि से रो विश्वविद्यालय द्वारा अधिनियम किए जाएंगे उसी तिथि से लागू किया जायगा।

2. शैक्षिक परिषद जिसे श्रद्ध परिषद ही कहा जायगा, की बैठकों की तिथि कुलपति द्वारा, जो कि परिषद के अध्यक्ष है, निश्चित की जायगी।

3. बोर्ड की बैठक के लिए नोटिस/मूच्चना कुल सचिव द्वारा जारी की जायगी, जिन्हें प्रबंध बोर्ड ने सबस्य सचिव नामित किया है।

4. सामान्यतः परिषद की बैठक के लिए लिखित नोटिस 21 दिन पहले दिया जायगा। परन्तु कुलपति द्वारा परिषद को तालिकालिक बैठक कार्रवाई का उल्लेख करते हुए अवधि के लिए लिखित मूच्चना लेने वालाएँ जा सकती हैं।

5. किसी बैठक में विचार किए जाने वाली कार्यसूची की मर्दों के नोट, प्रबंध बोर्ड द्वारा सबस्य सचिव के रूप में नामित कुलसचिव द्वारा बैठक की तिथि से कम से कम 7 दिन पहले परिचालित किए जाएंगे वरन्ते ऐसी मर्दों जो बैठक में विचार करते हें लिए अत्यावश्यक और महत्वपूर्ण हैं उन्हें बैठक में लाया जाए यह अध्यक्ष के निर्णय पर निर्भर करेगा।

6. परिषद के कुल सदस्यों में से यदि कम से कम 1/3 सदस्यों के लिखित अनुरोध प्राप्त हो तो, परिषद की एक विशेष बैठक कुलसचिव द्वारा जो कि प्रबंध बोर्ड द्वारा सबस्य सचिव नामित किए गए हैं, मुलाई जा सकती है। इसकी तिथि कुलपति से विचार विमर्श करके निश्चित की जाएगी। सबस्य अपने मांग पत्र में ऐसी विशेष बैठक में विचार विमर्श के लिए रखे जाने वाली कार्यसूची की मर्दों की जानकारी दें। विशेष बैठक में केवल उन्हीं विधायकों पर विचार विमर्श किया जायगा। परन्तु ऐसी विशेष बैठक तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि इस बैठक की मांग करने वाले सभी सबस्य उपस्थित न हों। पुनः शर्त यह है कि यदि ऐसी बैठक में कोरम पूरा नहीं होता तो किर मांगपत्र को रद्द माना जायगा।

7. यदि परिषद की बैठक वाकायवा विवित बृताई गई है और बैठक के लिए निश्चित समय के आधे धृते के अंदर कोरम उपस्थित नहीं होता तो यह बैठक अगले सप्ताह के उभी विन और उसी समय के लिए अन्वित कर दी जायेगी या परिषद के सदस्य अग्रणी कोई विन या अन्य समय निर्धारित कर दी जायेगी या परिषद के सदस्य अग्रणी कोई विन या अन्य समय निर्धारित कर दी जायेगी।

गिर करें। स्थगित की गई बैठक की भूवता परिषद के सभी सदस्यों को भेज दी जाएगी। स्थगित की गई बैठक में यदि निश्चित समय के आधे धृते के अंदर कोरम उपस्थित नहीं होता तो उपस्थित सदस्य कोरम निश्चित करेंगे।

8. परिषद ब्रोर्ड द्वारा किसी विषय पर किया जाता है तो "परिषद का अध्यक्ष (कुलपति) परिषद के सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र होंगे। ऐसी स्थिति में प्रस्ताव के प्रारूप के माध्यम संविधित व्याव्यापक टिप्पणियां, दस्तावेज एवं कागजात भी परिचालित किए जाएंगे। प्रस्ताव के प्रारूप पर यदि परिषद के अधिकारी गवर्नर्स द्वारा हस्ताक्षर किए गए हों तो उसे स्वीकृत समझा जाएगा।

9. परिषद की बैठक में कार्य का भंचालन अध्यतंत्र द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

10. सामान्यतः सभी निर्णय आम राय द्वारा निर्णय जाएंगे। किर भी यदि परिस्थितियों की मांग हुई हो अध्यक्ष मत के लिए प्रस्ताव रख सकते हैं और ब्रूमन से निर्णय किया जायगा। गविरोध की स्थिति में अध्यक्ष के पास निर्णायक मत होगा।

11. बैठक का कार्यवृत्त कुलसचिव द्वारा, जो प्रबंध बोर्ड द्वारा उसके सदस्य सचिव नामित किए गए, हैं सामान्यतः बैठक की नियि के बाद एक सप्ताह के अन्दर रीयार किया जायगा जो उसे अध्यक्ष के पास स्वीकृति के लिए भेजेंगे। अध्यक्ष द्वारा स्वेच्छा कार्यवृत्त टिप्पणियों के लिए सदस्यों को परिचालित किया जाएगा। कार्यवृत्त की पुष्टि करने से पहले, सदस्यों से प्राप्त टिप्पणियों को आगामी बैठक में विचार के लए रखा जाएगा।

12. परिषद की बैठकों में निर्णयों का अध्यक्ष द्वारा तैयार और स्वीकृत किए गए कार्यवृत्त के आधार पर कार्यान्वयित किया जाएगा।

13. इन विनियमों को मंत्रिधित या निरस्त करने या उनमें कुछ जोड़ने का अधिकार प्रबंध बोर्ड के पास होगा।

[सं० आई जी/प्र. (गी) विनियम 4/93]
के. नारायणन, कुल सचिव

New Delhi, the 28th January, 1994

G.S.R. 198.—In exercise of the powers conferred by Section 27 of the IGNOU Act, 1985 (50 of 1985), the Board of Management makes the following Regulations for the conduct of the meetings of the Academic Council :

Regulations for the meetings of the Academic Council
(Section 27 of the IGNOU Act)

1. These regulations may be called "Regulations for the meetings of the Academic Council" and these shall come into force on the date they are notified by the University.
2. The date for a meeting of the Academic Council, hereinafter referred to as "Council", shall be fixed by the Vice-Chancellor, who is the Chairman of the Council.
3. The notice for a meeting of the Council shall be issued by the Registrar designated by the Board of Management as its Member-Secretary.
4. Ordinarily, a notice in writing of 21 days shall be given for a meeting of the Council. Provided that an urgent meeting of the Council may be convened by giving a shorter notice for reasons to be recorded in writing by the Vice-Chancellor.
5. The Registrar, designated by the Board of Management as its Member-Secretary, shall circulate at least 7 days before the meeting, the notes on the items of the agenda to be considered at a meeting. Provided that it shall be open to the Chairman, at his discretion, to bring up such items which are urgent and important in nature for consideration at the meeting itself.

6. A special meeting of the Council may be convened by the Registrar, designated by the Board of Management as its Member-Secretary, if a request to this effect is received in writing from not less than 1/3rd of the total number of members of the Council on a day to be fixed in consultation with the Vice-Chancellor. Members requisitioning such a Special meeting should indicate the agenda item(s) which they propose to discuss at the meeting and the special meeting shall consider only those items. Provided that a special meeting shall not be held unless all the members who requisitioned such a meeting are present. Provided further that the requisition shall be deemed to have been cancelled if there is no quorum at such a meeting.

7. Where a meeting of the Council has been duly convened and no quorum is present within half an hour of the time appointed for the meeting, the meeting will be adjourned to the same day and time in the next week or to such other day and at such other time and place, as the members of the Council may decide, and notice for the adjourned meeting shall be sent to all the members of the Council. If no quorum is present at an adjourned meeting within half an hour of the appointed time, the members present shall constitute the quorum.

8. Where a matter is to be considered by a council it shall be open to the Vice-Chancellor to obtain the approval of the members of the Council by circulation. In that event, the draft resolution shall be circulated together with explanatory notes and

copies of the papers and documents connected therewith and draft resolution shall be deemed to have been approved, if it is signed by a majority of the members of Council.

9. The conduct of business at a meeting of Council shall be regulated by the Chairman.

10. Ordinarily all decisions shall be by consensus. However, if circumstances so warrant, the Chairman may put a resolution to vote and the decision shall be carried by a majority. In case of a tie, the Chairman shall have a casting vote as well.

11. The minutes of the meeting shall be prepared by the Registrar, designated by the Board of Management as its Member-Secretary ordinarily within a week's time after the date of meeting who shall submit the same to the Chairman for his approval. The minutes approved by the Chairman shall be circulated to the members for their comments. Comments, if any received from the members shall be considered at the following meeting before the minutes are confirmed.

12. The decisions taken at a meeting of the Council may be implemented by the University on the basis of the minutes approved by the Chairman.

13. The power to amend, repeal or add to these regulations shall vest with the Board of Management.

[No. IG/Admn(G)/Regu/4/94]

K. NARAYANAN, Registrar

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण भवालय

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1994

नांकानिं. 199—राजपत्र, संविधान के घनुच्छेद 309 के परन्तुक भारा प्रदत्त वार्किंगों का प्रयोग करते हुए दादर और नागर इक्षेत्री संघ राज्य क्षेत्र में सहायक औषधि नियन्त्रक के पद/पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सहायक औषधि नियन्त्रक भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पक्ष-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपादान अनुसूची के सम्म 2 से सम्म 4 से विनियिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, प्रायु-सीमा, अन्य अहंताएं आदि: उक्त पद/पदों पर भर्ती की पद्धति, प्रायु-सीमा और अन्य अहंताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के सम्म 5 से सम्म 14 में विनियिष्ट हैं।

4. निरहंसा: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या

(ख) जिसने प्रपने पति या प्रपनी पत्नी के जीवित होने के लिए आर्थिक सहायता की विकास किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि कोनीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के प्रत्यक्ष पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशील है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रवर्तन से छोट बै सकती।

5. विधिल करने की शक्ति: जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना प्रावधारक या समीक्षीय है, वहां वह उसके लिए जो कारण है उक्त सेवाबद्ध करके तथा संघ सोक सेवा प्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश भारा विधिल कर सकती।

6. आवृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे भारक्षण, प्रायु-सीमा में कूट और अन्य विधायितों पर प्रभाव नहीं आयेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार भारा इत्य संबंध में समय-नमय पर निकाले गए आदेशों के अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अनिवार्य है।

प्रनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद प्रथमा अक्षयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा फेन्ड्रीय सिविल सेवा (वेश्वन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुच्छेद है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
सहायक औपचारिक नियंत्रक	1* (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा, (ममूल "क") आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, (ममूल "क") राजपक्षित आनन्दविधीय	2200-75- 2800-द० रु० 100-4000 रु०	लागू नहीं होता 35 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकर द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। (टिप्पणि : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए नियन्त्रिक तारीख भारत में अध्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, सेवालय, अरण्याचल प्रदेश, मिजो- रम, मणिपुर, नागालैंड, क्रिपुगा, सिन्धिकम, जम्मू-कश्मीर राज्य के नदाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्त्रीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपखंड, अडमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अध्यर्थियों के लिए विहित की गई है।)	होता

भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आपेक्षित शैक्षिक और अन्य अहंताएं सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवीक्षा की अवधि, यदि विहित आयु और शैक्षिक अहंताएं प्रोत्तत कोई हो अव्यक्तियों की दण में वागू होगी या नहीं

प्रावधानक :	8	9	10
		लागू नहीं होता	एक वर्ष

प्रावधानक :		लागू नहीं होता	एक वर्ष
(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान, जैव रसायन किजान, औषध निर्माण रसायन, भेण्ज विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री या समतुल्य।			
(2) औपचारिक और प्रमाणन सामग्री अधिनियम के उपर्योगों और उसके प्रधीन बनाए गए नियमों का प्रबन्धन करने का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव			

या

किसी श्वातिप्राप्त समुद्धान में औपचारिक के विनिर्माण या परीक्षण में
पांच वर्ष का अनुभव।

बोंछनीय:

स्थानीय भाषा अर्थात् गुजराती का ज्ञान।

टिप्पणि 1—अहंताएं अन्यथा सुश्राहित अध्यर्थियों की दण में संघ लोक सेवा
आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पणि 2—प्रनुसूचना संग्रहीत अहंता (अहंताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेका-
नुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अध्यर्थियों
का दण में तब शिथिल की जा सकती है (है) जब चयन के
किसी प्रभाव पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके
लिए आराधित रिक्तियों को भरने के लिए आपेक्षित अनुभव रखने
पाएं अन्य गमवायों के अध्यर्थियों के वर्तमान संदर्भ में उपलब्ध
दृष्टि की समाजता नहीं है।

भर्ती की प्रवति: भर्ती संबंध होती या प्रोफ्रेशन डार्ग या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण डार्ग भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण डार्ग भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

प्रतिशतमा

11

सीधी भर्ती डार्ग जिसके न हो मकने पर प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण डार्ग ।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण ।

केन्द्रीय सरकार/गश्य सरकार /मध्य राज्य लोकों के अधीन ऐसे अधिकारी—

- (क) (1) जो नियमित आधार पर नदृश पद धारण किए हुए हैं, या
- (2) जिन्होंने 2000-3500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर सीन वर्ष नियमित सेवा की है, या
- (3) जिन्होंने 1640-2900 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर सात वर्ष नियमित सेवा दी है, और

(ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित गैरिक अर्हताएं और अनुभव हैं।

(प्रतिनियुक्ति भी अवधि, जिसके अंतर्भूत केन्द्रीय गरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारण तथा तीन वर्ष में अधिक नहीं हो सकती।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्भूत अत्यकालिक संविवाच भी है) स्थानान्तरण डार्ग नियुक्ति के लिए अधिकतम आयुर्वीमा आवेदन प्राप्त होने की अनियताग्रेक को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

13

यदि विभागीय प्रोफ्रेशन समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किस परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

14

ममूर् “क” विभागीय प्रोफ्रेशन समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) :

विकास आयुक्त, दमण और झीप तथा वामपांडा और नागर हवेली—मदस्य

वित्त सचिव, दमण और झीप और दादरा और नागर हवेली—मदस्य

कलकटा, दादरा और नागर हवेली—मदस्य

प्रशीक्षण इंजीनियर, सोक निर्माण विभाग, दमण—मदस्य

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की

“टिप्पणः पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोफ्रेशन समिति की कार्यवाहिया, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोफ्रेशन समिति की ऐसके संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में किर से होगी।”

चयन, प्रत्येक अवधि पर संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[सं० ए०, 11014/2/92-ए वाई बेस्क-II]

शाम जिद्दा, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 8th March, 1994

G.S.R. 199.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Drugs Controller in the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Assistant Drugs Controller Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of

pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and others matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (14) of the said schedule.

Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :—

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law

applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax

any of the provisions of these rules with respect to any call or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits		
1	2	3	4	5	6		
Asstt. Drugs Controller	1* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service (Group 'A') Gazetted Non-ministerial	Rs. 2200-75-2800- EB-100-4000	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).		
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Union) Rules, 1971.				Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul & Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep.			
7	8	Educational and other qualifications required for direct recruits.					
Yes	Essential:	(i) A post-graduate degree in Chemistry/Bio-Chemistry/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacy of recognised University or equivalent. (ii) Experience in enforcement of the provisions of the Drugs and Cosmetics Act and the Rules made thereunder for a minimum period of five years; OR Five years' experience in the manufacturing or testing of drugs in a concern of repute.					
		Desirable : Knowledge of local language i.e. Gujarati. Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidate otherwise well qualified. Note 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the UPSC in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to the vacancies reserved for them.					
		Not applicable.					

Period of Probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various method	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made
10 One year	11 By direct recruitment failing which by transfer on deputation	12 Transfer on deputation Officers under the Central/State/Union Territories. (a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or (ii) with 3 years regular service in posts in the scale of Rs. 2000-3500 or equivalent; or (iii) with seven years' regular service in posts in the scale of pay of Rs. 1640-2900 or equivalent and (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Col. 8. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not to exceed 3 years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract)/transfer shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
---	---

13 Group 'A' DPC (for considering confirmation) : Development Commissioner, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli	14 Selection on each occasion shall be made in consultation with the U.P.S.C.
Finance Secretary, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli	— Member
Collector, Dadra & Nagar Haveli	— Member
Superintending Engineer, P.W.D., Daman	— Member
— Member	— Member
"Note : The proceedings of the DPC relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval, if however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held."	

[No. A-11014/2/92-Ay.-Desk-II]
SIHAMBIR SINGH JINDAL, Under Secy.

कृषि भवालय

(कृषि और महाकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1991

माकानि 200:—राष्ट्रपति, केन्द्रीय मिक्रिल मेंशा (पर्याप्तरण, नियन्त्रण और प्रीति) नियां, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2) नियम 12 के उपनियम (2) के अंडे (व) और 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत गवर्नर के कृपि मालय (पृष्ठा १०८ नक्शा कार्या विभाग) की प्रधिमूलता से माकानि 330(ग) तारीख 13 मार्च, 1992, से माकानि 393(ग) तारीख 1 अप्रैल, 1992 और से माकानि 847(ग) तारीख 26 जून, 1992 को उन वारों के भिन्ना अधिकांश कर्मे हुए, जिन्हें ऐसे अधिकारण से पहले लिया गया है या कर्म दा लोग लिया गया है, यह निर्देश देने हैं कि इस प्रधिमूलता से उत्तरवाच प्रत्यक्षी के भाग 1 और भाग 2 के मान्य 1 में फिरिंस्ट मार्ग लेन्डिंग शेख मर्माव, ग और घ पर्सो की वावन ग मान्य 2 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी नियुक्ति प्राधिकारी होगा और मान्य 3 और मान्य 5 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी अनशासनिक प्राधिकारी मान्य 4 में विनिर्दिष्ट शास्त्र विषय में अपील प्राधिकारी होगा, जब तक उन अनुमूली में उन्नियित विद्यालय में तिकाना हो जाएगा।

ब्रह्मचरी

पद का विवरण	नियुक्ति	प्राप्ति, अधिरूपित करने के लिए सभी प्राप्ति- कारों और ऐसी शास्त्रियों जो वह अधिरूपित कर मके (नियम 11 के मद सज्जाभा के प्रति निर्देश से)	प्राधिकारी	शास्त्रिय
1	2	3	4	5
भाग I : साधारण केन्द्रीय सेवा समूह और ग कपास विकास नियेशालय, मुम्बई				
मर्यादा पद	प्रधारी नियेशक, करास नियेशालय मुम्बई	प्रधारी नियेशालय, कपास विकास, नियेशालय, मुम्बई।	प्रधारी	कृषि भायुक्त
ग्रामीण विकास, नियेशालय, गाजियाबाद	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	सभी	कृषि आयुक्त
सभी पद	पटसन नियेशालय, कलकत्ता	प्रधारी नियेशक, पटसन विकास नियेशालय, कलकत्ता	प्रधारी नियेशक, पटसन विकास नियेशालय (कलकत्ता)	सभी
चावल विकास नियेशालय, पटना	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	सभी	कृषि आयुक्त
सभी पद	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	सभी	कृषि आयुक्त
भाग-II : साधारण केन्द्रीय सेवा समूह “ब”				
ग कपास विकास नियेशालय, मुम्बई	प्रधारी नियेशक (यरिष्ट), कपास विकास नियेशालय, मुम्बई	प्रधारी नियेशक (यरिष्ट), कपास विकास नियेशालय, मुम्बई।	सभी	नियेशक, फसल कृषि और मह- कारिता विभाग, कृषि मंत्रालय
सभी पद	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और सहकारिता विभाग।	सभी	नियेशक, फसल कृषि और मह- कारिता विभाग, कृषि मंत्रालय
ग्रामीण विकास नियेशालय, कलकत्ता	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और सहकारिता विभाग।	सभी	नियेशक, फसल कृषि और मह- कारिता विभाग, कृषि मंत्रालय
सभी पद	पटसन विकास नियेशालय, कलकत्ता	प्रधारी नियेशक, पटसन विकास नियेशालय, कलकत्ता	प्रधारी नियेशक, पटसन विकास नियेशालय, कलकत्ता	नियेशक (फसल)
पटसन विकास नियेशालय, कलकत्ता	प्रधारी नियेशक, पटसन विकास नियेशालय, कलकत्ता	प्रधारी नियेशक, पटसन विकास नियेशालय, कलकत्ता	प्रधारी नियेशक (फसल)	कृषि और मह- कारिता विभाग, कृषि मंत्रालय
चावल विकास नियेशालय, पटना	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	सभी	नियेशक (फसल), कृषि और मह- कारिता विभाग
सभी पद	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और महकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	उगायुक्त (संबंधित), कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय	सभी	नियेशक (फसल), कृषि और मह- कारिता विभाग

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 4th April, 1994

G.S.R. 200:- In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rul. (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, and in supersession of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Cooperation (Department of Agriculture and Cooperation), No. GSR 330 (E), dated the 13th March, 1992, No. GSR-393 (E), dated the 1st April, 1992 and No. GSR-647 (E), dated the 26th June, 1992, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby directs that in respect of the posts in the General Central Services Group B, C and D, specified in column 1 of part I and II of the Schedule annexed to this Notification, the authority specified in column 2 shall be the appointing authority and the authority specified in columns 3 and 5 shall be the Disciplinary Authority and Appellate Authority in regard to the penalty specified in column 4 until the posts of Directors in the Directorates mentioned in the said Schedule are filled up on a regular basis.

SCHEDULE

PART I : GENERAL CENTRAL SERVICES GROUP-B AND C

Description of the posts	Appointing authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose (with reference to item numbers in rule 11).	Authority	Penalties	Appellate authority
1	2	3	4	5	
Directorate of Cotton Development, Bombay	All posts	Director-in-Charge, Directorate of Cotton Development, Bombay	Director-in-Charge Directorate of Cotton Development, Bombay	All	Agriculture Commissioner
Directorate of Sugarcane Development, Ghaziabad.	All posts	Deputy Commissioner (concerned), Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture	Deputy Commissioner (Concerned), Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture	All	Agriculture Commissioner
Directorate of Jute Development, Calcutta	All posts	Director-in-Charge, Directorate of Jute Development, Calcutta.	Joint Director-in-Charge, Directorate of Jute Development, Calcutta.	All	Agriculture Commissioner
Directorate of Rice Development, Patna	All posts	Deputy Commissioner (Concerned), Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture	Deputy Commissioner (Concerned), Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture	All	Agriculture Commissioner

1

2

3

4

5

PART II : GENERAL CENTRAL SERVICE GROUP 'D'

Directorate of Cotton

Development, Bombay All posts	Director-in-Charge, Directorate of Cotton Development, Bombay	Director-in-Charge, Directorate of Cotton Development, Bombay	All	Director (Crops) Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture
-------------------------------------	--	--	-----	---

Directorate of Sugar-cane, Development, Ghaziabad.

All posts	Deputy Commissioner (Concerned), Department of Agriculture and Cooperation.	Deputy Commissioner (Concerned), Department of Agriculture and Cooperation.	All	Director (Crops) Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture.
-----------	---	---	-----	--

Directorate of Jute Development, Calcutta.

All posts	Director-in-Charge, Directorate of Jute Development, Calcutta.	Director-in-Charge Directorate of Jute Development, Calcutta.	All	Director (Crops), Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture.
-----------	---	--	-----	---

Directorate of Rice Development, Patna.

All posts	Deputy Commissioner (Concerned), Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture.	Deputy Commissioner (Concerned), Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture.	All	Director (Crops), Department of Agriculture and Cooperation
-----------	---	---	-----	--

[No. 35-11/93-CA. III]
SONA RAM, Under Secy.

नई विली, 8 अप्रैल, 1994

मा. का. नि. 201:—राष्ट्रीय संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तक द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए और बनस्पति संरक्षण, संग्रहीत और सचयन निवेशालय (तकनीकी राजनीति पर) भर्ती नियम, 1973 को, जहाँ तक उनका संबद्ध कलिष्ठ सम्पत्ति विज्ञानी के पर्याय से है, उन भानों के सिवाय अधिकार निवेशालय में भर्ती करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकमण से गहरी किया गया है या करने का लोग किया गया है कृषि मंत्रालय के अंतर्गत बनस्पति संरक्षण, संग्रहीत और सचयन निवेशालय में भर्ती करने वाले विज्ञान प्रशिक्षण (अन्तर्गत विज्ञान प्रशिक्षण) के गदों पर भर्ती को पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. मध्यिन नाम और प्रारंभ (1) इन नियमों का मध्यिन नाम बनस्पति संरक्षण, संग्रहीत और सचयन निवेशालय, भारतीय निवेशक (अन्तर्गत विज्ञान प्रशिक्षण भर्ती) नियम, 1994 है।

(2) ये राजभाष्य में प्रकाशन को तारोंको प्रवृत्त होंगे।

2. पद वंड्या, वर्गीकरण और शेतनमान: उक्त पद को सम्पादन, उसका वर्गीकरण और उसका शेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपाय अनुसूची के स्तरम् 2 से स्तरम् 4 में विनियमित है।

3. भर्ती का पद्धति, आयुर्नीमा, अर्हताएं आदि: उस पद पर भर्ती की पद्धति, आयुर्नीमा, और उससे संबंधित प्रत्य आते वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तरम् 5 से स्तरम् 11 में विनियमित हैं।

4 निरहंता वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परम्परा यहि केन्द्रीय सम्बाद का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार की सागृ स्वीय विधि के अन्तर्गत अनुसूच्य है और ऐसा करने के निम्न अन्य प्राधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की गविति— जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीर्चन न है, वही वह उसके लिए जी कारण है उन्हें लेखबद्ध करके नया सध लोक मेंवा आयोग से परामर्श करके, इन मियमो के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आवेद द्वारा शिथिल कर सकेंगे।

6 आवृत्ति— इन नियमों की कोई भाव, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य विधायितों पर प्रभाव नहीं आलेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-नमय पर निकाले गए आवेदों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व संनिको और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करता अवैधित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेनेफान्स	बन्धन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले प्रवर्ग	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्गों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (प्रेशन) नियम, 1972 के नियम 30 के प्रधीन अनुसूच्य है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7	

सहायक निदेशक 1* (1994)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह	2200-75 2800	लागू नहीं	35 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुबंधों या आवेदों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)	नहीं
(अनुबंध विज्ञान- *वार्यमार के आधार “क” राजनीति अनुसूचित वर्गों के लिए अनुबंध विज्ञान- प्रशिक्षण)	परिवर्तन किया	4000 रु			

टिप्पणी— आयु-सीमा प्रवधारित करने के लिए नियांयिक तारीख भारत में अध्यविधियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अतिम तारीख होगी। (न कि वह जो असम, मेघालय, ग्रामांचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, किंग्राम, रिक्किम, जम्मू व कश्मीर राज्य के लडाकू खड़, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिसे तथा उस्मा जिने के पांची उप-खड़, अंदमान और निकोबार द्वीप या लद्दाखीप के अध्यविधियों के लिए विहित की गई है।)

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य साधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिवेशाका की अवधि, यदि अर्हताएँ प्राप्त और शैक्षणिक अर्हताएँ प्रोत्तत व्यक्तियों की दशा कोई हो।

8

9

10

प्रावधानक :

लागू नहीं होता

एक बार

(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से शृणि/मस्य विज्ञान में (अपतृण विज्ञान में विशेषज्ञता सहित) एम.एस.सी.या वनस्पति विज्ञान/कृषि वनस्पति विज्ञान में (अपतृण विज्ञान में विशेषज्ञता सहित) एम.एस.सी.या समतुल्य।

(2) अपतृण विज्ञान/अपतृण नियंत्रण और कार्म प्रबंध में अनुसंधान/अध्यापन से सेवन वर्ष का अनुभव।

टिप्पण 1-- अर्हताएँ अन्यथा मुश्यहित अध्ययियों की दशा में सभ योग सेवा आयोग के विवेकानन्दसार शियल की जा सकती है।

टिप्पण 2-- अनुभव सबधो अर्हता (अर्हताएँ) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानन्दसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अध्यायियों को दशा में तब शियल की जा सकती है। (है) जब जनन के किसी प्रक्रम पर सभ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित शिक्षियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समूहों के अध्ययियों के पर्याप्त मरण में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

वौछानीय - किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अपतृण विज्ञान में डाक्टरेट डिप्लोमा या समतुल्य।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विकल्प पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिषंगतता

प्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

सोसी भर्ती द्वारा।

लागू नहीं होता

टिप्पण : पश्चाती के प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर या सम्बी श्रीमारी या अध्ययन छट्टी या किसी अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के लिए आहर रहने के कारण हुई रिक्तियां, केंद्रीय सरकार के देसे प्रधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर भरी जा सकती हैं।

(क) (1) जो नियमित आधार पर सवृष्ट पद धारण किए हुए हैं; या

(2) जिन्होंने 2375-3500/2000-3500 रु. या समतुल्य बैतम-मान वाले पदों पर 2/3 वर्ष नियमित सेवा की है; और

(घ) जिनके पास स्तरम् 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विकल्प शैक्षणिक अर्हताएँ और अनुभव हैं।

यदि विभागीय प्रोन्ति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने से किंतु परिस्थितियों से संबंध लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

समृद्ध "क" विभागीय प्रोन्ति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)

1 संयुक्त सचिव जो बनस्पति संरक्षण प्रभाग का कार्य वेद्ध रहा है	-अध्यक्ष
2 संयुक्त सचिव जो प्रशासन स्थापना प्रभाग, कृषि और सहायता विभाग का कार्य वेद्ध रहा है	-सदस्य
3 बनस्पति संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार	-सदस्य
4 निवेशक/उप सचिव, जो बनस्पति संरक्षण प्रभाग, कृषि और सहायता विभाग का कार्य वेद्ध रहा है	-सदस्य

टिप्पणी— सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से सञ्चालित विभागीय प्रोन्ति समिति की कार्यवाहिया, संघ लोक सेवा आयोग के अनुसूचितार्थी भेजी जाएंगी, किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्ति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के प्रध्यक्ष या किसी सदस्य का अध्यक्षता में फिर से होगी।

14

मीधी भर्ती करने भवय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लेकर जाएगा।

[फा. स. 13-4/91-पी. पी-II]

पी. के. गांधी, अवर सचिव

New Delhi, the 8th April, 1994

G.S.R. 201.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Technical Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1972, in so far as they relate to the post of Junior Agronomist, except as respects of things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Director (Weed Science-Training) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage under the Ministry of Agriculture, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection Quarantine and Storage, Assistant Director (Weed Science—Training) Recruitment Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	7
Assistant Director (Weed Science-Training)	*1 (1994)	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000	Not applicable	Not exceeding 35 years : (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	No

*Subject to variation dependent on workload.

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
8	9	10	11
<p>Essential:</p> <p>(i) M.Sc. in Agriculture/Agronomy (with specialisation in Weed Science or M.Sc. degree in Botany/Agricultural Botany (with specialisation in Weed Science) from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 3 years research/teaching experience in Weed Science/Control of Weeds and Farm Management.</p> <p>Note: 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note: 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes</p>	Not applicable	One year	<p>By direct recruitment.</p> <p>Note : Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from officers of the Central Government :—</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or</p> <p>(ii) with 2/3 years regular service in posts in the scale of Rs. 2375-3500/2000-3500 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.</p>

If at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancy reserved for them.

Desirable

Doctorate degree in Weed Science of a recognised University or equivalent.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
12	13	14
Not applicable	<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation)</p> <ol style="list-style-type: none"> Joint Secretary looking after Plant Protection Division—Chairman Joint Secretary looking after Administration Establishment Division, Deptt. of Agriculture and Cooperation—Member. Plant Protection Adviser to the Government of India—Member Director/Deputy Secretary looking after Plant Protection Division, Deptt. of Agriculture and Cooperation—Member. <p>"Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held."</p>	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

[No. 13/4/91-PP-II]

P.K. GANDHI, Under Secy.

ग्रामीण विकास मंत्रालय

मई दिनली, 9 मार्च, 1994

सांख्य का० निं० 202 :— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु क्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और विषय और निरीक्षण निवेशालय, फोटो अधिकारी और जार्क रूम सहायक भर्ती नियम, 1982 को, जहां नक उनका संबंध फोटो अधिकारी के पद से है, उन भार्ती के विवाय अधिकारी करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकारण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, ग्रामीण विकास मंत्रालय, विषय और निरीक्षण निवेशालय में फोटो अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विविधमत करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्—

1. मंशिष्ठ नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का मंशिष्ठ नाम विषय और निरीक्षण निवेशालय, फोटो अधिकारी भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राज्यसभा में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संबंधी वर्गीकरण और व्यवस्था :— उक्त पद की मंशिष्ठ, उसका वर्गीकरण और उसका व्यवस्था वह होगा जो इन नियमों से उपाय अनुसूची के स्तर (3) से स्तर (4) में विविधित है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ आदि :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उसे संबंधित अन्य जाते वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तर (5) से स्तर (14) में विविधित हैं।

4. विवरण :— यह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए निसी व्यक्ति से विवाह किया या,

उच्च पद पर नियुक्ति या पाल नहीं होता

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान ही जाना है कि ऐसा विज्ञाह में व्यक्ति और विज्ञाह के इन्हें पक्षकार को नागू स्वयं विधि के दर्शन अनुशेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबन्धन से छूट दे सकेगी।

5. शिविल करने की शर्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना अवश्यक या समीक्षीय है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उसके लिए विवरण करके तथा मध्य सौकर सेवा आयोग से पारमंत्र वाले, इन विधियों के विरुद्ध उपबंध की विसी वर्ग या प्रबंध के व्यक्तियों की बाबत, आवेदन द्वारा शिविल कर सकती है।

6. अनुचित: इन विधियों की कोई बात ऐसे आवश्यक, आयु-संसामा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं आतेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संघ में व्यापक-समय पर नियमित ग्रामीणों के प्रतुचार अनुचित जनजातियों, भूतपूर्व मैनिकों और अन्य विशेष प्रबंध के व्यक्तियों के लिए उपयोग करना, स्वेच्छित है।

अनुसूचि

पद का नाम	वर्ती की संक्षिप्त	वर्तीकरण	वेतनमान	चयन पद अवधारा। सीधे वर्ती किए जाने सेवा में जोड़े गए वर्ती	अन्य पद वाले व्यक्तियों के का फायदा केन्द्रीय शिविल	लिए आयु-संसामा सेवा (पेशन) नियम,	1972 के नियम 30 के	प्रवीन अनुशेय है या नहीं
कोटी प्रविकारी	1 *(1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा	2000-60-	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		

*कार्यभार के आधार समूह “ब” राजनीति 2300-60 रु० पर परिवर्तन किया जा अनुसंचितीय सकता है। 3200-100- 3500 रु०

वर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अनुशेय सीधे वर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और परिवेश की अवधि, यदि कोई हो सीधिक अनुशेय व्यक्तियों की दशा में लागू होती या नहीं

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

वर्ती को पदातिः वर्ती सीधे होती या प्रोक्षित द्वारा या प्रति- प्रोक्षित/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा वर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोक्षित/प्रतिनियुक्ति/ नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विविध पदातियों द्वारा भरी जाने वाली विविधों की प्रतिशतता

11	12
प्रोक्षित/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रोक्षित/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण
1. केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/संघ राज्य शेषों के अधीन ऐसे विविधों --	
(क) (1) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं या	
(2) जिन्होंने 1640-2900 रु० या अमनुल्य वेतनमान वाले पदों पर नीत वर्ष नियमित सेवा की है; या	
(3) जिन्होंने 1400-2300/2600 रु० या अमनुल्य वेतनमान वाले पदों पर आठ वर्ष नियमित सेवा की है; या	
(य) जिनके पास निम्नलिखित श्रेणियाँ अनुश्लेष और अनुभव हैं--	
(1) किसी भान्यताप्राप्त विषयविद्यालय से फोटोग्राफी या अनुश्लेष	
(2) फोटोग्राफी के विविध पदलभिन्नों जैसे कि फोटोग्राफ लेना, प्रिंट करना, डेवलेप करना, एलार्ज करना आदि में पांच वर्ष का अनुश्लेष जिसमें डार्क रूम में कार्य भा अनुश्लेष भी सम्मिलित है।	

2. विषयत और निरोक्षण निवेशालय में ऐसे विभागीय आकां रूम सहायक के सबवर्ष में भी जिसने उस श्रेणी में सेरह वर्ष नियमित सेवा की है, भव्य अध्याधियों के साथ विचार किया जाएगा जिन्होंने प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर आवेदन किया है। यदि पर पर नियुक्ति के लिए उनका अध्यन कर लिया जाता है तो उसे प्रोत्साहित द्वारा भरा गया समझा जाएगा।

प्राथक प्रबर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोत्साहित की सार्वां पक्षि में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाव नहीं होंगे।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया के लिए विचार जाने के पाव नहीं होते। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसे अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी भव्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठक पहले घारित किसी अध्यकारी का वास्तविक पद पर प्रतिनियुक्ति की प्रवधि है वास्तविक तात्त्विक वर्ष से अधिक सही होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सविता भी है)/स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आवधि आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख भी 56 वर्ष से अधिक सही होगी।

यदि विभागीय प्रोत्साहित समिति है तो उसकी संख्या

सर्वी करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

लागू नहीं होता

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[फा० स० 1-8/88-एम०-]।
आर०क० सागर, अबर सचिव

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 9th March, 1994

G.S.R. 202.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Directorate of Marketing and Inspection, Photo Officer and Dark Room Assistant Recruitment Rules, 1982, Officer and Dark Room Assistant Recruitment Rules, 1982, in so far as they relate to the post of Photo Officer, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Photo Officer in the Directorate of Marketing and Inspection, Ministry of Rural Development, namely—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Marketing and Inspection, Photo Officer Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule-30 of the C.C.S. (Pension) Rules 1972
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Photo Officer	1* (1993)	General Central Service Gr. 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 2000-60- 2300-EB-3200- 100-3500.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

*Subject to variation dependent on workload.

Educational and other required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.
(8)	(9)	(10)	(11)
Not applicable	Not applicable	Not applicable	By promotion/transfer on deputation.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.
(12)	(13)	(14)
(i) Officers under the Central/State Govts./UTs:— (a) (i) holding analogous posts on regular basis or	Not applicable	Consultation with Union Public Service Commission necessary.
(ii) with 3 years regular service in post in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; or		
(iii) with 8 years regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent; and		
(b) possessing the following educational qualifications and experience:—		
(i) Diploma in Photography from a recognised University or equivalent;		
(ii) 5 years experience in various aspects of Photography like taking photographs, printing, developing, enlarging etc. including experience of Dark Room Work.		
II. The departmental Dark Room Assistant in the Dte. of Marketing and Inspection with 13 years regular service in the grade shall also be considered alongwith candidates who apply on transfer on deputation. In case he is selected for appointment to the post, the post shall be deemed to have been filled by promotion.		

The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.

(Period of deputation including period of deputation in another exc-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/ department of the Central Government shall ordinarily not to exceed 3 (three) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract)/transfer shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).

[F. No. 1-8/88-MI]
R. K. SAGAR, Under Secy.

प्रामोश विकास मंत्रालय
(प्रामोश विकास विभाग)
नई दिल्ली, 28 मार्च, 1994

शा.का.नि. 203 --राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा क्वारा प्रवत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रामोश विकास मंत्रालय, अनुसंधान अधिकारी भर्ती नियम, 1992 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भर्तीतः--

- (1) इन विधियों का, संशोधन नाम प्रामोश विकास मंत्रालय, अनुसंधान अधिकारी भर्ती (संरोधन) नियम, 1993 है।
(3) ये राजपत्र से प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- प्रामोश विकास मंत्रालय, अनुसंधान अधिकारी भर्ती नियम, 1992, में मनुसूची के स्थान पर, निम्नलिखित अनुसूची रखा जाएगा, भर्तीतः--

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बोनसान	बयन पद अधिकारी	साधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारी के लिए व्यक्तियों के लिए आवश्यक सेवा (पेशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुसूची में जोड़े गए वर्गों का		
	1	2	3	4	5	6	7

अनुसंधान अधिकारी (केन्द्रीय 1*) प्रामोश स्वचक्षन कार्य कम्प.) (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा, सभूह "ख" दरो.-75-3200- *कार्यालय के राजपत्र, अनुसूची भर्ती का अधार पर परिवर्तन भविष्यद्वय किया जा सकता है।	2000-60-2300 लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
--	--	-----------------------------	----------------	----------------

साधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारी के लिए अधिकारी की विहित परिवेश की भविष्य, यदि कोई हाँ और अन्य अहंताएँ
प्रायः भीर शैक्षिक अहंताएँ प्रोत्त्व व्यक्तियों का व्यवहार
में लागू होनी दा नहीं

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	अधिकारिता में पूर्व गुप्तिवीर्जित अनुप्रवृत्त सेविक के लिए दो वर्ष

भर्ती को पढ़ति: भर्ती सीधे होती या प्रोत्तिं द्वारा या प्रति- प्रोत्तिमि/प्रतिमियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दस्ता में वे थेणियां जिनसे प्रोत्तिमि/प्रतिमियुक्ति/नियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा लाया विभिन्न पद्धतिया द्वारा भर्ती स्थानांतरण किया जाएगा। जाने वाली रिकितयों द्वी प्रतिशतता

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा (जिसके अंतर्गत भूत्यकालिक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :

संविदा भी है) :

सुशस्त्र बन कार्मिकों के लिए :

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/पुनर्नियोजन (भूत्युक्ति-संविदों के लिए)

(जिसके अंतर्गत अन्यकालिक मर्यादा भी है) :

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/किंवदिवालय/मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थाओं/पर्यायक संस्टर

उपलब्ध/अद्वितीयकारी/स्थानांतरण या कानूनों संगठनों के ऐसे प्रधिकारी।

(क) (1) जो नियमित आधार पर सूचा पद स्थानांतरण किए हुए हैं; या

(2) जिन्होंने 1610-2900 रु. या समतुल्य बेतनमात्र जाने पर्याय पर तीन वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ब) जिनके पास नियन्त्रित वैदिक भ्रूहस्ता और अनुभव हैं।

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र/सांख्यिकी में मास्टर डिप्लोमा या समतुल्य

(ख) (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से समाज विज्ञान, समाज कार्य में मास्टर डिप्लोमा या समतुल्य।

(2) ग्रामोन स्कॉलर यार्थक्रम में अंबिति प्राक्कड़ों के संवलन/विश्लेषण में दो वर्ष का अनुभव।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/पुनर्नियोजन (भूत्युक्ति-संविदों के लिए) :

मध्यस्त्र बन के रेजिमेंट कमांडेंट के कर्त्तव्य/नेटवर्कोंट और अवैतनिक कैन्टन नेटवर्कों के लिए कार्मिकों के संबंध में भी विचार किया जाएगा और एक वर्ष की अवधि के भीतर नेवानिवृत्त दौरी वाले हैं या रिजर्व बैंक में स्थानांतरण किए जाने वाले हैं और जिनके पास प्रतिनियुक्ति व्यक्तियों के लिए विहित प्रदूषण, और अनुभव हैं। यदि उनका चयन कर लिया जाता है तो ऐसे प्रधिकारियों को उस दूरीका तक प्रतिनियुक्ति के नियमों पर रखा जाएगा। जिस दूरीका में उन्हें संशलन बल से नियुक्त किया जाना है तत्पश्चात् उन्हें पुनर्नियोजन के नियमों पर बने रहने दिया जा सकता है। यदि ऐसे पांच प्रधिकारी उन पद पर आसक्तिक चयन में पूर्व नेवानिवृत्त हों या रिजर्व में स्थानांतरण किए जा चुके हैं, तो उनको नियुक्ति पुनर्नियोजन के आधार पर की जाएगी (विविध पर्यायों के प्रति नियंत्रण में प्रधिकारियों का नारीब तक पुनर्नियोजन) पोर्टफोलियो के ऐसे विभागीय प्रधिकारी, जो श्रोतानि को सीधे परिक्षण में ही, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पास नहीं होंगे।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोत्तिं द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पास नहीं होंगे।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य भूगठन/विभाग में इन नियमित से ठीक पहले विभिन्न किसी अन्य काढ़ा बाष्प पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया 3 (तीन) वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके अंतर्गत अन्यकालिक संविदा भी है) स्थानांतरण द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम अपर्याप्ति शाब्दिक प्राप्ति होने की अंतिम सारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोत्तिं है तो उसकी संरक्षणा

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ नोक मेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

समूह “ब” विभागीय प्रोत्तिं गमिति (प्रधिकारियों ने पूर्व पुनर्नियोजित गम नोक मेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

भूत्युक्ति-संविदों की पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) :

1. संयुक्त सचिव (प्रशासन) — अध्यक्ष

2. संयुक्त सचिव (ईं एम) — संवाद

3. निवेशक (प्रशासन) उप सचिव — संवाद

[सं. ए : 12018/1/91 स्था. 1)]

यार.सी. मैरी, अवर अधिकारी

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्र में सा कानून मं. 384 तारीख 22-8-92 द्वारा प्रकाशित किए गए हैं।

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 28th March, 1994

G.S.R. 203 -- In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Rural Development Research Officer Recruitment Rules, 1992, namely:-

1. (1) These rules may be called the Ministry of Rural Development Research Officers Recruitment (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Rural Development, Research Officer Recruitment Rules, 1992, for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:-

“SCHEDULE”

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Research Officer (Central Rural Sanitation Programme)	1* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/-
Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits		Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
5	6	7	
Not applicable	Not applicable	Not applicable	
Education and other qualifications required for direct recruits		8	
Not applicable			
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in any the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	
9	10	11	
Not applicable	2 years for Ex-Servicemen re-employed before super-annuation	By transfer on deputation (including short-term-contract). For Armed Forces Personnel Transfer on deputation/Re-Employment (for Ex-servicemen)	

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made

12

Transfer on deputation (including short-term contract)

Officers of the Central/State Governments/University/Recognised Research Institutions/Public Sector Undertakings
Semi-Government/Autonomous or Statutory Organisations:

- (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or
(ii) with 3 years regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; and
- (b) possessing the following educational qualifications and experience;

A. Master's degree in Economics/Statistics from a recognised University or equivalent;

OR

B. (i) Master's degree in Sociology/Social Work from a recognised University or equivalent.
(ii) 2 years experience in compilation/analysis of data related to Rural Sanitation Programme.

Transfer on deputation/Re-employment (For Ex-Servicemen).

The Armed Forces Personnel of the rank of Captain/Lieutenant or Regimental Commandant and Hon. Captain/Lieutenant who are due to retire or to be transferred to reserve within a period of one year and have the qualification and experience prescribed for deputationists shall also be considered. If selected, such officers will be given deputation terms upto the date on which they are due for release from the Armed Forces; thereafter they may be continued on re-employment terms. In case, such eligible officers have retired or have been transferred to reserve before the actual selection to the post is made, their appointment will be on re-employment basis;

(Re-employment upto the date of superannuation with reference to civil posts).

The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation.

Similarly, deputationists, shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 (three) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term-contract)/transfer shall be not exceeding 56 years, as on the closing-date of receipt of applications).

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Group 'B' Departmental Promotion Committee:
(For considering confirmation of Ex-Servicemen re-employed before Superannuation.

1. Joint Secretary (A)—Chairman
2. Joint Secretary (IM)—Member
3. Director (A)/Deputy Secretary(A)—Member.

Consultation with the Union Public Service Commission is necessary.

भूतल परिवहन संत्रालय

(मीमा मडक विकास मडल)

तर्फ विलेनी, 24 मार्च, 1994

सा. का. नि. 204—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु के द्वारा प्रदत्त वित्तीयों का प्रयोग करने हुए। मामान्य रिजर्व इंजीनियर बल में समूह “ग” और “ब” पदों का भर्ती के नियमों का संशोधन करने हुए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, प्रथम—

1. (1) यह नियम मामान्य रिजर्व इंजीनियर बल समूह “ग” और “ब” पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1994 कहे जाएंगे।

(2) ये सरकारी गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू माने जाएंगे।

2. मामान्य रिजर्व इंजीनियर बल समूह “ग” और “ब” भर्ती नियम, 1982 की अनुसूची में—

(a) ग्रम म. 56 जो कि आग्रांतिक प्रेड-3 में संबंधित है, और इसमें सब्वित प्रतिनिधियों के स्थान पर निम्नलिखित कम महसा और प्रविष्टियों प्रतिनिधित्व की जाए अर्थात्—

(यहां हमने प्रत्याहृत)

धनसूची

1	2	3	4	5	6
56. आग्रांतिक प्रेड-III	143* (1994)	मामान्य बैन्डीव सेवा समूह “ग”	1200-10-1560-3 गी-		प्रत्ययत

*कार्यभार के आधार पर अराजपत्रित लिपिकार्य

परिवर्तन किया जा सकता है।

7

8

1. और 25 वर्ष के बीच (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुबोधों या आवेदों के अनुभार सरकारी कर्तव्यालियों को 40 वर्ष तक छूट दी जा सकती है)। विषय— आयु संभान्न नियमित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले आधिकारियों से (उनमें सिन्धु या असम सेवालय, अस्सीचाल प्रवेश, मिजोरम, मणिगुरु, नागालैण्ड, सिंगारा, मिक्रो, जम्मू और कश्मीर के लद्दाख दिवारन, दिमाक्स प्रदेश में आटोल और बिपति और पांचा सब्वितेंद्र संस्था जिला का लौ. अष्टमान और निकोबार या लद्दाख में रहते हैं)। आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई वित्त तारीख होगी। रोजगार मामान्यता के माध्यम से का जाने वाली नियमित के सब्वित से आयु सीमा निष्पारित करने का निर्णायक तारीख वह तारीख होगी, जो राज्यान्वय कार्यालय में नाम सेवने के लिए अंतिम तारीख कही गई है।

आवश्यक

(1) मट्रिक या समत्य

(2) आग्रांतिक में 80 शब्द प्रति मिनट की गति में अवसाय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

(अंग्रेजी या हिन्दी)

9

10

11

2 वर्ष

सीधी भर्ती:

3 1/3 प्रतिशत जिसके न होते पर प्रोत्तिति द्वारा

प्रोत्तिति

6 6 2/3 प्रतिशत जिसके न होते पर सीधी भर्तीद्वारा

प्रोत्तिति

प्रोत्तिति अवधि अवधि लिपिक जिसके नामान्य रिजर्व इंजीनियर बल में

3 वर्ष तक नियमित सेवा का है और आग्रांतिक में 80 शब्द प्रति मिनट

का गति में अवसाय परीक्षा उत्तीर्ण की है।

(अंग्रेजी या हिन्दी)

प्रोलन्ति और पुष्टि पर विचार करने के लिए गम्भूर ग और 'व' विभागीय पदोन्नति
समिति ॥

कर्तव्य/ले कर्तव्य/श्रद्ध क्षण प्राप्ति/मिल अधिकारी में 1 (प्रवरण कार्य) प्राप्ति
में 2/कार्यपाल अधिकारी/मिलियत अधिकारी में 1 2 प्रत्यय

[संक्ष 144(6)/1939-पर्व खंड- II]

एम आनंदेन्दु, प्राप्ति विवर

पाद टिप्पणी - गृह नियम भारत सरकार के राजपत्र ज एमआरग 61, दिनांक 17-7-1982 ने ग्रन्तात प्रकाशित हुए थे और तत्पश्चात यशोधित हुए

- 1 सा का नि 796 दिनांक 30 अगस्त 1983
- 2 सा का नि 797 दिनांक 31 अगस्त 1982
- 3 सा का नि 110 दिनांक 05 फरवरी 1983
- 4 सा का नि 449 दिनांक 05 भूंड 1984
- 5 सा का नि 1105(ह) दिनांक 22 सितम्बर 1988
- 6 सा का नि 218 दिनांक 25 मार्च 1988
- 7 सा का नि 219 दिनांक 26 मार्च 1988
- 8 सा का नि 220 दिनांक 26 मार्च 1988
- 9 सा का नि 221 दिनांक 26 मार्च 1988
- 10 सा का नि 80 दिनांक 01 जनवरी 1990
- 11 सा का नि 188 दिनांक 10 फरवरी 1990
- 12 सा का नि 279 दिनांक 29 मार्च 1990
- 13 सा का नि 476 दिनांक 07 सितम्बर 199

MINISTRY OF SURFACE TRANS. ORT

(Border Roads Development Board)

New Delhi, the 24th March 1994

G S R. 201 .—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 369 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Reserve Engineer Force Group 'C' and Group 'D' Recruitment Rules, 1982 .—

1 (1) These Rules may be called the General Reserve Engineer Force Group 'C' and Group 'D' Recruitment (Amendment) Rules, 1994 .

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Schedule to the General Reserve Engineer Force Group 'C' and Group 'D' Recruitment Rules, 1982 —

(i) for serial number 56 relating to the Stenographer Grade-III and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely —

SCHEDULE

1	2	3	4	5
56 Stenographer Grade -III	148 (1994)* *Subject to variation dependent on workload	General Central Service, Group 'C', Non-Gazetted Ministerial	Rs 1200-30-1560-LB-40- 2040	Non Selection

6	7	8
Between 18 and 25 years (Relaxable for Government Servants upto 40 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)	Essential (i) Matriculation or equivalent (ii) Should pass trade test at a speed of 80 words per minute in Stenography (English or Hindi)	No

Note —The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the States of Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of the State of Jammu and Kashmir, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub-division of Chamba district of the State of Himachal Pradesh, the Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep) In case of appointment through the Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which Employment Exchange are asked to submit the names

9

10

11

2 years

Direct Recruitment :
33-1/3% failing which by promotion.
Promotion
65-2/3% failing which by direct recruitment.

Promotion:
Lower Division Clerk with 3 years, regular service
in the grade in General Reserve Engineer Force.
Subject to passing Trade Test at a speed of 80
words per minute in Stenography (English or
Hindi)

12

13

Group 'C' and 'D' Departmental Promotion Committee for considering
Promotion and Confirmation :—

Not Applicable

Colonel/Lt. Colonel/Superintending Engineer/Civilian Officer Grade-I
(Selection Grade) —Chairman
Major/Executive Engineer/Civilian Officer Grade-I —2 Members

[No. F 144(8)89-Pers-Vol. 1]
M. ANJANEYULU, Under Secy.

Font Note: The Principal Rules were published in the Gazette of India vide GSR No 613 dated 17-7-1982 and subsequently amended
vide :—

1. G.S.R. 796 dated 30 Aug 1982
2. G.S.R. 797 dated 31 Aug 1982
3. G.S.R. 118 dated 05 Feb 1983
4. G.S.R. 449 dated 05 May 1984
5. G.S.R. 1105(E) dated 22 Sep 1986
6. G.S.R. 218 dated 26 Mar 1988
7. G.S.R. 219 dated 26 Mar 1988
8. G.S.R. 220 dated 26 Mar 1988
9. G.S.R. 221 dated 26 Mar 1988
10. G.S.R. 80 dated 01 Jan 1990
11. G.S.R. 188 dated 10 Feb 1990
12. G.S.R. 279 dated 28 Mar 1990
13. G.S.R. 476 dated 07 Sep 1993

जल संसाधन भाल्य

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1994

मा.का.नि 205—, गार्डानी, भविधान के अनुच्छेद 309 के पात्रक
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाप करने द्वारा केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,
(केनिष्ठ इंजीनियर) भर्ती नियम 1977 का और शायदीन करने के लिए
निम्नलिखित नियम बनाये हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड
(केनिष्ठ इंजीनियर) भर्ती सामाजन, नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
2. केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड (केनिष्ठ इंजीनियर) भर्ती नियम, 1977
की अनुसूची में,

(1) स्तम्भ 2 में की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित
प्रविष्टि रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"13"*(अर्थात्) (1994)

*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

(2) स्तम्भ 4 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी
जाएंगी, अर्थात् :—

"1400-40-1800-इ.रो.-50-2300 रु."

[फा.सं. 23-2/93-भूजल/677]

इन्हें भूषण कर्ण, उप सचिव

दिप्पण: मूल नियम, भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 379 तारीख 19 मार्च,
1977द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उसमें सा.का.नि.सं. 115
तारीख 8 फरवरी, 1986 द्वारा संशोधन किया गया।

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 5th April, 1994

G.S.R. —In exercise of the powers conferred by the
proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby
makes the following rules further to amend the Central
Ground Water Board (Junior Engineer) Recruitment Rules,
1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Ground Water
Board (Junior Engineer) Recruitment Rules (Amendment)
Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Ground Water Board
(Junior Engineer) Recruitment Rules, 1977.—

(i) in column 2, for the existing entry, the following
entry shall be substituted, namely :—

"18* (Eighteen) (1994),—

"Subject to variation dependent on work load.";

(ii) in column 4, for the existing entry, the following
entry shall be substituted, namely :—

"Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300."

[File No. 23-2/93-GW/677]
I. B. KARN, Dy. Secy.

NOTE.—The principal rules were published in the Gazette
of India vide number G.S.R. 379 dated the 19th
March, 1977 and amended vide G.S.R. 115 dated
8th February, 1986.

